सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

दुआओं की ताकत को भी कभी कम मत आंकिए...
यह वह खामोश ऊर्जा है..
जो आपके असंभव कार्यों को संभव
बनाने की सबसे बड़ी शक्ति है... ।। अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–31 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 18 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

बिरनपुर हिंसा मामला : 3 साल बाद 17 आरोपी बरी, कोर्ट के फैसले के बाद सियासत तेज

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित बिरनपुर हिंसा मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय बेमेतरा ने बड़ा फैसला सुनाते हुए हत्या के 17 आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है। करीब तीन वर्ष बाद आए इस निर्णय के बाद आरोपियों ने दावा किया कि उन्हें पूर्ववर्ती सरकार के दौरान जबरन फंसाया गया था।

फैसले के बाद मीडिया से चर्चा में आरोपमुक्त हुए युवकों ने कहा कि पिछले 10 महीनों से वे जेल में बंद थे और इस दौरान उन्हें शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। उन्होंने बताया कि कई आरोपी पढ़ाई कर रहे थे या पढ़े-लिखे बेरोजगार थे, जिनकी शिक्षा और रोजगार पर गंभीर असर पड़ा है। उन्होंने राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि उन्हें सरकारी नौकरी देकर पुनर्वास का अवसर दिया जाए। साथ ही, उस समय संबंधित थाने में पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की है।

क्या था पूरा मामला?

बिरनपुर हिंसा की शुरुआत दो बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद से हुई, जो धीरे-धीरे सांप्रदायिक तनाव में बदल गया। 8 अप्रैल 2023 को साजा विधायक ईश्वर साहू के 22 वर्षीय पुत्र भुनेश्वर साहू की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया।

10 अप्रैल को विश्व हिंदू परिषद ने छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया। इसके बाद गांव में आगजनी की घटनाएं हुईं और मुस्लिम समुदाय के रहीम व उनके पुत्र इंदुल मोहम्मद की भी हत्या कर दी गई। स्थिति को नियंत्रित करने प्रशासन ने धारा 144

लागू की और करीब दो सप्ताह तक कर्फ्यू लगाया गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने 12 लोगों को आरोपी बनाया था। बाद में मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) को सौंपी गई, जिसने अपनी जांच में 6 नए आरोपियों का उल्लेख किया।

CBI चार्जशीट में क्या खुलासा?

30 सितंबर 2025 को दाखिल उइक की चार्जशीट में कहा गया कि घटना राजनीतिक साजिश का परिणाम नहीं थी। चार्जशीट में पूर्व विधायक अंजोर यदु का नाम शामिल नहीं किया गया, जबकि साजा विधायक ईश्वर साहू लगातार उनकी भूमिका पर सवाल उठाते रहे थे। अप्रैल 2024 में सीबीआई टीम ने बिरनपुर का दौरा कर पुनः जांच शुरू की थी।

मामले में जमकर हुई सियासत

घटना के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई थी। भाजपा ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर तुष्टिकरण का आरोप लगाया, जबकि कांग्रेस ने इसे भाजपा की साजिश बताया। फरवरी 2024 में विधानसभा में मुद्दा उठने के बाद उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उइकजांच की घोषणा की थी। ईश्वर साहू ने सदन में अपने पुत्र की हत्या का दर्द बयान किया था। बाद में भाजपा ने उन्हें टिकट दिया और वे वर्तमान में साजा से विधायक हैं।

अब आगे क्या?

17 आरोपियों के दोषमुक्त होने के बाद यह मामला एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। एक ओर जहां आरोपी पुनर्वास और कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पीड़ित पक्ष की प्रतिक्रिया और संभावित कानूनी विकल्पों पर सबकी नजरें टिकी हैं। बिरनपुर हिंसा प्रकरण ने न केवल कानून-व्यवस्था बल्कि प्रदेश की राजनीति पर भी गहरा प्रभाव डाला था — और अब अदालत के इस फैसले के बाद बहस का नया दौर शुरू हो गया है।

खास-खबर

वाइडनियर स्कूल पर आरोप एक करोड़ से अधिक की प्रतिपूर्ति राशि गबन का मामला

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिस्टोफर पॉल ने कलेक्टर को एक शिकायत पत्र सौंपते हुए वाइडनेयर मे. हा. से. इंग्लिश मीडियम स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पॉल का आरोप है कि यह स्कूल लालबाग स्थित 150,000 वर्ग फीट शासकीय भूमि पर संचालित हो रहा है, जो राजगामी संपदा न्यास, जिला राजनांदगांव की संपत्ति है। उन्होंने बताया कि तत्कालीन कलेक्टर ने 1976 में इस भूमि पर स्कूल को संचालन की अनुमति दी थी।

श्री पॉल के अनुसार, शिक्षा का अधिकार (RTE) कानून की धारा 12 की उपधारा 2 और 12 नवंबर 2021 को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी पत्र में यह स्पष्ट किया गया है कि जो निजी स्कूल शासकीय भूमि पर चल रहे हैं, उन्हें आरटीई के तहत प्रवेशित बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करनी होगी और वे आरटीई प्रतिपूर्ति राशि के हकदार नहीं होंगे। इसके बावजूद, पॉल का आरोप है कि जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव और वाइडनेयर स्कूल के प्राचार्य व प्रबंधक ने आपस में मिलीभगत कर स्कूल के खाते में एक करोड़ रुपये से अधिक की अवैध प्रतिपूर्ति राशि हस्तांतरित की। पॉल ने इसे शासकीय राशि का गबन करार दिया और इसे गंभीर वित्तीय अनियमितता बताया। उन्होंने कहा कि यह राशि तुरंत वसूली जाए और सभी दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाए। प्रशासन से अब इस मामले में त्वरित जांच की मांग की जा रही है।

अनियंत्रित होकर गिरी बाइक, युवक की मौत

दुर्ग। थाना अंडा क्षेत्र अंतर्गत रिसामा रोड पर हुए सड़क हादसे में एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान शेखर निर्मलकर 35 वर्ष निवासी ग्राम रिसामा के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 17 फरवरी के लगभग 11:30 बजे शेखर निर्मलकर अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से रिसामा रोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। घटना के बाद तत्काल उन्हें जिला अस्पताल दुर्ग में उपचार हेतु भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई।

बिलासपुर में नकाबपोश बदमाशों ने ज्वेलरी व्यवसायी से लूट लिए लाखों के जेवरात

मौके पर पहुंचे आईजी रामगोपाल गर्ग, पुलिस ने की जबरदस्त नाकेबंदी

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में बंदूक की नोक पर ज्वैलरी व्यवसाई से लूट की बड़ी घटना हो गई। व्यवसाई दुकान बंद कर अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात नकाबपोशों ने उन्हें रोक कर उनके साथ मारपीट की और उनकी गाड़ी लूट कर फरार हो गए। गाड़ी में सोनेझवांदी के जेवर भी थे। वहीं मौके पर आरोपियों ने अपनी वैन और बाइक छोड़ दी है। घटना के बाद पुलिस ने चारों तरफ नाकेबंदी कर दी है और आरोपियों की तलाश में जुट गई हैं।

राजकिशोर नगर के सरस्वती शिशु मंदिर के सामने रहने वाले संतोष तिवारी सर्राफा व्यवसायी है। वह महालक्ष्मी ज्वेलर्स के नाम से ज्वेलरी दुकान का संचालन करते हैं। आज रात 9:30 बजे वह दुकान बंद कर अपने घर जा रहे थे। दुकान बंद करते वक्त उन्होंने दुकान से महंगी ज्वैलरी अपनी मेहरून कलर की रीनॉल्ट कंपनी की गाड़ी में रख ली थी। वे रोज दुकान बंद करते वक्त दुकान के सारे गहने घर ले जाते थे और सुबह वापस लाकर दुकान में ग्राहकों के लिए सजाते थे।

राजकिशोर नगर के महावीर सिटी के पास हुई कॉलोनी के सीसीटीवी में भी कैद हो गई है। जिस वक्त यह घटना हुई उस वक्त लोगों की आवाजाही बनी हुई थी। इसी कारण हमलावरों ने हड़बड़ी में अपनी वैन और बाइक मौके पर ही छोड़ दी और ज्वैलर्स की ही गाड़ी में फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया। सरकंडा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल संतोष तिवारी को प्रथम हॉस्पिटल में ले जाकर भर्ती करवाया। पूछताछ में उन्होंने पुलिस को बताया कि हमलावर नकाब पहने हुए थे।

बंदूक की बट से सिर पर मारा

रात करीब 9:30 बजे राज किशोर नगर के टेलीफोन एक्सचेंज रोड शक्ति चौक में पहुंचे थे तो अज्ञात नकाबपोश व्यक्तियों द्वारा संतोष तिवारी की गाड़ी को सफेद कलर की वन से ओवरटेक करके रोक लिया। जैसे ही संतोष तिवारी रुके पीछे से पैशन प्रो मोटरसाइकिल में सवार कुछ लोग आ गए। उन्होंने संतोष तिवारी से बंदूक दिखाकर गाड़ी से बाहर निकलने के लिए कहा और उनके साथ जमकर मारपीट की उन्हें बंदूक की बट से भी मारा। जिसके बाद वे संतोष तिवारी की गहनों से भरी गाड़ी लेकर फरार हो गए।

वहीं आला अधिकारियों को घटना की सूचना मिलते ही मौके पर वह पहुंच गए। आईजी रामगोपाल गर्ग भी मौके पर पहुंचे और दिशा निर्देश दिये। सरकंडा टीआई प्रदीप आर्य,सीएसपी निमितेश सिंह, एडिशनल एसपी पंकज पटेल ने मौके का मुआयना किया और आरोपियों की गाड़ी को घेरा बना कर खड़ा करवा दिया।

वही एसएसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर चारों तरफ पुलिस ने नाकेबंदी कर दी है और हमलावरों की तलाश शुरू हो गई है। पूछताछ में घायल संतोष तिवारी ने बताया है कि उन्हें हथौड़ी से मारा गया है। विधायक सुशांत शुक्ला भी अस्पताल पहुंच कर घायल और परिजनों से मिले। घायल की स्थिति गंभीर है।

इस संबंध में सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया कि आज 17 फरवरी को रात्रि 9:30 बजे करीबन टेलीफोन एक्सचेंज रोड राजकिशोर नगर में कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा प्रार्थी संतोष तिवारी को रोककर मारपीट किया गया एवं गाड़ी कार क्रमांक सीजी 10 अल्ट 7707 मेहरून कलर रीनॉल्ट कंपनी की गाड़ी को लूट कर भाग गए गाड़ी में सोने चांदी का समान होना बताया गया है मौके पर पैशन प्रो मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 10 पी 0331 एवं कार क्रमांक सीजी 10 इख 8147 आरोपियों द्वारा छोड़कर भाग गया है मौके पर एक मैगजीन कुछ राउंड प्राप्त हुए हैं जो चलाई नहीं गए हैं। प्रार्थी को सिर में चोट है जो हथौड़ी से मारना बताएं हैं। घटना के तरीके को देख कर लग रहा कि आरोपियों को व्यवसाई के बारे में जानकारी थी।

जांच जारी

बिलासपुर आईजी रामगोपाल गर्ग ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि घटना की जांच जारी है। सभी क्षेत्रों में नाकेबंदी की गई है। हम जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करेंगे

भ्रष्टाचार पूर्व पार्षद ने आयुक्त से की अवैधानिक निविदा निरस्त करने की मांग

2.30 करोड़ के डोम शेड टेंडर पर हुआ घमासान !

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई में 2.30 करोड़ रुपये के सार्वजनिक डोम शेड निर्माण कार्य को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। सेक्टर-2 के पूर्व पार्षद हेमंत निषाद ने आयुक्त को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया है कि शासन के स्पष्ट आदेश के विरुद्ध 11 अलग-अलग स्वीकृत कार्यों को एक में समाहित कर एकमात्र निविदा जारी की गई, जो नियमों की खुली अवहेलना है।

शिकायत में उल्लेख है कि संचालनालय नगरी प्रशासन एवं विकास, छत्तीसगढ़ के आदेश क्रमांक 10941/ चार/ले.अनु./ 2025-26 दिनांक 9 जनवरी 2025 के तहत अधोसंरचना मद से 11 अलग-अलग स्थानों पर सार्वजनिक डोम शेड निर्माण के लिए पृथक-पृथक स्वीकृति दी गई थी। प्रत्येक कार्य के लिए अलग प्राकलन और तकनीकी स्वीकृति जारी की गई थी।

क्या हैं ? आरोप

पूर्व पार्षद का आरोप है कि: शासन से 11 अलग-अलग कार्यों की स्वीकृति मिलने के बावजूद निगम ने सभी कार्यों को एक में जोड़कर करीब 2.30 करोड़ रुपये की एकल निविदा प्रकाशित कर दी। यह कदम छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के प्रावधानों के विपरीत है और इससे 'एक व्यक्ति विशेष' को लाभ पहुंचाने की आशंका है। दूसरी ओर, जब शासन से एकमुश्त राशि स्वीकृत होती है तो उसे कई भागों में विभाजित कर टेंडर जारी किया जाता है। उदाहरणस्वरूप खुर्सीपार ट्रीटमेंट प्लांट के 10 करोड़ रुपये के कार्य को पांच हिस्सों में बांटकर निविदा निकाली गई।

भौतिक सत्यापन पर भी सवाल

शिकायत में यह भी कहा गया है कि जिन 11 स्थानों पर डोम शेड निर्माण की स्वीकृति दी गई, उनमें से 3-4 स्थानों पर पहले से ही डोम शेड बने हुए हैं — जैसे पावर हाउस लाल मैदान, सुपेला शीतला तालाब के पास निगम क्षेत्र के कई वार्डों में। ऐसे में बिना भौतिक सत्यापन के पुनः स्वीकृति और निविदा जारी करना गंभीर अनियमितता की श्रेणी में आता है।

दोषियों पर कार्रवाई की मांग

पूर्व पार्षद हेमंत निषाद ने आयुक्त से मांग की है कि: जारी निविदा को तत्काल निरस्त किया जाए। पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

इस पूरे प्रकरण ने निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला करोड़ों रुपये के संभावित वित्तीय अनियमितता का बन सकता है। अब देखने वाली बात होगी कि निगम प्रशासन इस गंभीर शिकायत पर क्या कदम उठाता है – क्या टेंडर रद्द होगा या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा?

न्यू लुक बायो फ्यूल के विरुद्ध ग्रामीणों का विरोध

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रदूषण और जन-सुरक्षा को लेकर प्रशासन से कार्रवाई की मांग, घंटों रहा चक्का जाम, Pwd विभाग की भूमिका पर भी उठ रहे सवाल

फुलझर क्षेत्र के आसपास के ग्रामीणों ने क्षेत्र में संचालित एक औद्योगिक इकाई के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर के नाम तहसील दार को ज्ञापन सौंपकर कंपनी के संचालन पर रोक लगाने और जांच कराने की मांग की गई । ग्शहर अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि कंपनी परिसर में पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के कारण भारी वाहन सड़कों पर खड़े रहते हैं, जिससे लगातार दुर्घटना का खतरा बना रहता है। इस विषय में पूर्व में भी शिकायतें की जा चुकी हैं, किंतु अब तक ठोस कारवाई नहीं हुई है।

युवा कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव निखिल द्विवदी ने ने कहा की कंपनी से निकलने वाले प्रदूषण के कारण आसपास के लगभग 10 गांवों के बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। साथ ही क्षेत्र के तालाब व जलस्रोत प्रदूषित हो रहे हैं, जिससे पेयजल संकट गहराता जा रहा है। खेतों की फसल प्रभावित हो रही है, पेड़ सूख रहे हैं और जमीन की उर्वरता भी घट रही है ।

द्विवेदी ने कहा की कंपनी का संचालन बिना समुचित जन-सुनवाई के किया गया तथा पंचायत स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन नहीं हुआ साथ ही कंपनी द्वारा सीएसआर मद से ग्राम पंचायतों को अपेक्षित सहयोग भी नहीं दिया गया है

जिला पंचायत सदस्य अग्रेश्वर देशमुख ने कहा कि जानता के स्वास्थ्य और पर्यावरण से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है प्रशासन को चाहिए कि तत्काल संयुक्त जांच दल बनाकर वास्तविक स्थिति का परीक्षण करे और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो कंपनी के संचालन पर कड़ी कारवाई की जाए ग्रामीणों की सुरक्षा और स्वच्छ पर्यावरण उनका मौलिक अधिकार है ।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर प्रदूषण पर रोक लगाई जाए और क्षेत्र की जनता को राहत दिलाई जाए। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जनपद सदस्य मोहनीश धनकर, सोनू धनकर, शुभम पांडे, सरपंच पूर्णिमा शिवहरे, रमाकांत साहू, कमल साहू, चुनेश्वर साहू, शंकर देश लहरे, टिंकू साहू, चंद्रशेखर मालेकर, देवचंद, राधेश्याम साहू, धर्मेंद्र साहू, पूर्व पार्षद शरद पटेल, उमेश देशमुख, राकेश निर्मलकर, शैलेश साहू, सुभाष द्विवेदी, देवलाल साहू सैकड़ों कार्यकर्ता फुलझर बैगाटोला मगर लोटा इन्दावनी बिरेंझर नवागांव मुड़ीपार के किसान उपस्थित थे।

किसान गन्ना व मिलेट्स फसलों की खेती को और बढ़ावा देवें - संभाग आयुक्त राठौर

बोर्ड परीक्षा में नकल रोकने की हो कारगर पहल, संभाग स्तरीय अधिकारियों की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए गन्ने एवं मिलेट्स फसलों की पैदावारी हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि दुर्ग जिले में गन्ने की फसल पर जोर दिया जाए, वहीं संभाग अंतर्गत पाहड़ी क्षेत्रों के जिलों में मिलेट्स फसलों की पैदावारी पर जोर दिया जाए। उन्होंने संयुक्त संचालक कृषि को गन्ने की पैदावारी के लिए शासन स्तर पर कृषकों को अनुदान राशि हेतु आवश्यक पहल करने के निर्देश दिये।

श्री राठौर ने संभाग अंतर्गत जिलों में रबी धान की फसल के बदले दहलन-तिलहन फसलों की क्षेत्राच्छादन में बढ़ोतरी करने निर्देशित किया। खाद के भंडारण के साथ ही अग्रिम उठाव हेतु अभियान प्रारंभ किया जाए। संभाग आयुक्त श्री राठौर ने संभागीय कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक में उक्त निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि दसवीं एवं बारहवीं की बोर्ड परीक्षा के दौरान नकल रोकने बेहतर प्रबंध किया जाए। जिलों में उड़नदस्ता टीम गठित कर, टीम द्वारा नकल के विरूद्ध प्रभावी

कार्यवाही सुनिश्चित किया जाए। बोर्ड परीक्षा का संचालन बेहतर ढंग से हो। केन्द्राध्यक्षों को परीक्षा के संबंध में आवश्यक सावधानियां बरतने के कड़े निर्देश दिये जाए।

संभाग आयुक्त श्री राठौर ने सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य संचालित करने पर जोर देते हुए अवगत कराया कि आगामी 24 फरवरी को ई-ऑफिस पर विशेष प्रशिक्षण बीआईटी दुर्ग में आयोजित की जा रही है। उक्त प्रशिक्षण में अधिकारी सम्मिलित होना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुसार प्रदेश की सभी पंचायतों को एक प्राथमिक सहकरी समिति को जोड़ना है। दुर्ग संभाग में अब तक 1330 पंचायतों को समितियों द्वारा कवर्ड किया गया है। उन्होंने संयुक्त आयुक्त सहकारी समितियां को अनकवर्ड ग्राम पंचायतों में भी पैक्स, दुग्ध, मत्स्य एवं वनोपज समितियों से जोड़ने हेतु आवश्यक पहल करने के निर्देश दिये। इस दौरान संभाग आयुक्त श्री राठौर ने विभागवार समय-सीमा प्रकरणों की भी समीक्षा की। बैठक में उपायुक्त (राजस्व) पदुमलाल यादव, उपायुक्त (विकास) संतोष ठाकुर सहित समस्त विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के बजट में सरकार वरिष्ठ नागरिकों को 2000 रूपए पेंशन देने एवं राज्य सियान आयोग गठन का प्रावधान करे : घनश्याम देवांगन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वरिष्ठ नागरिक महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम देवांगन ने वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के निराकरण एवं उनके कल्याण हेतु आगामी बजट में 2000 रुपए पेंशन शुरू करने एवं छत्तीसगढ़ राज्य सियान आयोग गठित करने की मांग सरकार से की है। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी को पत्र लिखकर आगामी बजट में इसका प्रावधान रखने की मांग की है।

उन्होंने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की उपेक्षा एवं उनकी सुविधाओं पर कटौती किए जाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा इस साल के बजट में अपेक्षा के अनुरूप वरिष्ठ नागरिकों के लिए कोई उल्लेखनीय सुविधाएं नहीं दी गई है। उन्होंने मांग की कि छत्तीसगढ़ राज्य के 60 वर्ष से अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों को भी कुछ अन्य राज्यों की तरह 2000 रुपए मासिक पेंशन दिया जाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा, आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना राज्य में वरिष्ठ नागरिकों को 2000 से 3000 रूपए मासिक पेंशन प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब में आयुष्मान कार्ड से 25 लाख रुपए, उत्तराखंड एवं हरियाणा में 10 लाख रुपए तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। छत्तीसगढ़ में 60 वर्ष से अधिक के सभी वरिष्ठ नागरिकों को कम से कम 5 लाख रुपए की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा देने का प्रावधान इस साल के बजट में की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की उपेक्षा से उनका जीवन कष्टप्रद एवं दुखी हो गया है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के निराकरण एवं उनके कल्याण हेतु छत्तीसगढ़ राज्य सियान आयोग गठित किए जाने की मांग को अतिआवश्यक बताया।

उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे द्वारा बंद कर दी गई यात्रा कंशेसन को तत्काल फिर से चालू करने, प्रापर्टी टैक्स में वरिष्ठ नागरिकों को छूट देने, सियान सदनों में उनके मनोरंजन के साधन मुहैया कराने आदि पुराने लंबित मांगों को भी दुहराया। मांग पत्र की प्रतिलिपि मंत्री गजेंद्र यादव, क्षेत्रीय सांसद विजय बघेल, विधायकगण रिकेश सेन, ललित चंद्राकर, डोमन लाल कोर्सेवाड़ा को भी प्रेषित कर इसे लागू करने का अनुरोध किया गया है।

अविवादित नामांतरण और अविवादित बंटवारे के प्रकरणों का करें त्वरित निराकरण-कलेक्टर सिंह

बैठक

लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण एवं जनहितकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

आधार पंजीयन हेतु जन्म प्रमाण पत्र बनाने कार्यवाही तेज करने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की समीक्षा बैठक में जिले के विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आम नागरिकों से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रशासन को अधिक पारदर्शी, सरल और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से अविवादित नामांतरण और अविवादित बंटवारे के कार्य ग्राम पंचायतों को सौंपे गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक-दो प्रकरण दर्ज कर 31 मार्च से पहले आदेश जारी किए जाएं। भूमि आवंटन से जुड़े मामलों में विभाग प्रमुखों को बिना विलंब अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने को कहा गया, ताकि विकास कार्य प्रभावित न हों।

बैठक में बायोमेट्रिक अटेंडेंस को सभी अनुविभागीय कार्यालयों, जनपदों और तहसीलों में शत-प्रतिशत लागू करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत व्यक्तिगत आवास निर्माण की प्रगति की जानकारी ली, जिस पर सभी नगर निगम आयुक्तों ने पूर्णता की जानकारी दी। स्वामित्व योजना (मेप-2/मेप-3) में संशोधन के लिए ग्रामवार स्केन कॉपी के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए। साथ ही शासकीय नस्तियों के संधारण के लिए लिंक अधिकारी की शीघ्र नियुक्ति करने को कहा गया।

आगामी जनगणना-2027 की प्रारंभिक तैयारियां शुरू करने के निर्देश भी दिए गए। उचित मूल्य दुकानों में अनियमितता पाए जाने पर निरस्तीकरण के बाद भी बकाया राशि जमा न करने वाले संचालकों से भू-राजस्व के रूप में वसूली की कार्यवाही शीघ्र करने को कहा गया।

जिले के सभी आंगनबाड़ी एवं स्कूली बच्चों, जिनके आधार कार्ड नहीं बने हैं, उनके लिए शिविर लगाकर आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं। आंगनबाड़ी बच्चों के आधार पंजीयन हेतु जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य होने के कारण जिन बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र लंबित हैं, उनके लिए संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले के दिव्यांगजनों के लिए 18, 19 और 20 फरवरी को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण हेतु मूल्यांकन एवं परीक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर मंगल भवन, नगर पालिका निगम चरोदा, नगर पालिका निगम भिलाई और जनपद पंचायत दुर्ग में लगाया जाएगा। हितग्राही किसी भी स्थल पर जाकर इसमें भाग ले सकते हैं। कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों को अपने-अपने क्षेत्रों में मुनादी कर अधिक से अधिक दिव्यांगजनों तक जानकारी पहुँचाने के निर्देश दिए।

बैठक में जल संरक्षण, जल स्रोतों के रिचार्ज तथा नल-जल योजनाओं के प्रभावी संचालन एवं संधारण की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ आम जनता तक समयबद्ध रूप से पहुंचाएं। बैठक में वनमंडलाधिकारी दीपेश कपिल, एडीएम अभिषेक अग्रवाल, जिला पंचायत के सीईओ बजरंग दुबे, अपर कलेक्टर बिरेन्द्र सिंह एवं श्रीमती योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पांडेय, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमीत अग्रवाल, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त दशरत राजपूत, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं श्रीमती शिल्पी थामस, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ एवं समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि पर्व पर श्री खाटू धाम स्थापना के लिए हुआ भूमि पूजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

महाशिवरात्रि के पावन एवं पुण्य अवसर पर शांति नगर (दशहरा मैदान) स्थित पिपलेश्वर धाम मंदिर परिसर के समीप श्रद्धा, आस्था और भक्तिभाव के साथ श्री खाटू धाम की स्थापना हेतु विधिवत भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए खाटू श्याम बाबा के भव्य मंदिर निर्माण का संकल्प लिया गया। भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। आगामी समय में यहाँ श्री खाटू श्याम बाबा की दिव्य एवं आकर्षक मूर्ति स्थापित की जाएगी, जिससे शांति नगर एवं आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन हेतु एक पवित्र, भव्य एवं सुव्यवस्थित धाम प्राप्त होगा।

शांति नगर के पार्षद अभिषेक मिश्रा ने क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर भूमि पूजन संपन्न कराया। उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में संकल्प लिया कि जनसहयोग से शीघ्र ही श्री खाटू बाबा का भव्य मंदिर निर्माण पूर्ण कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान भक्तों में अत्यंत उत्साह, श्रद्धा एवं सामूहिक एकता का वातावरण देखने को मिला। यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का भी प्रमुख स्थल सिद्ध होगा। क्षेत्रवासियों ने इसे अपनी अटूट श्रद्धा और सामूहिक सहयोग का प्रतीक बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख नागरिकों में विनोद सोनी, अटल वर्मा, मानसिंग, सतीश गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता, बिसेन अंकल, जॉनी, राधेश्याम शर्मा, चैतन्य, अशोक पटेल, गीतांजलि साहू, मीना सिंह, अनसूइया साहू, विजय लक्ष्मी राव, आरती साहू, लक्ष्मी देवांगन, अनीता कपूर, संध्या मिश्रा, अनीता शर्मा, सुपर्णा दास, अनीता बिसेन, बैंजो गुप्ता, उमिलां वर्मा, वीणा साहू, किरण तेंदुलकर, सैल प्रजापति, कृष्णावेणी रेड्डी, आरती देवी, उमिलां कुशवाहा, सुनीता एवं रुक्मणी वर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महिलाओं ने ट्रैफिक नियमों के पालन की दी जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली

हर रोज घटना दुर्घटना की खबर मिलती है। जिसमें परिवार के मुखिया की युवा युवती की दुखद खबर आ जाती है । जिसके बड़ा कारण ट्रैफिक नियमों का उल्घंन भी होता है। इन सभी को ध्यान में रखकर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वीरांगनाओं ने लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाया गया। जिसमें लोगों को समझाया कि उनका जीवन अनमोल है। घर में परिवार उनका इंतजार कर रहा है। गाड़ी तेज स्पीड में नहीं चलाये। हेलमेट पहनकर ही घर से निकले। कॉल आने पर रूककर बात करें। बात करने में जल्दी बाजी न करे। सुरक्षा जरूरी। सीट बैल्ट सुरक्षा की पहली शर्त, यातायात नियम जीवन के लिए जरूरी हैं। जहाँ बच्चे खेल रहे है या पैदल चलते हुए है, वहाँ रफ़्तार कम करनी चाहिए आदि आदि इस कार्यक्रम में ट्रैफिक विभाग का पूरा सहयोग मिला। वीरांगना टीम ने नुक्कड़ नाटक किया गया।

यह कार्यक्रम राजेन्द्र पार्क के फ्लोवर शो में किया गया। इस मौक़े पर भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कन्या संयोजिका सस्कृति वर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष किरन सिंह संध्या सिंह चंदेल रिंकी सिंह संध्या सिंह रचना सिंह अनीता सिंह प्रभा सिंह अंजली बिषेन रेखा जूथिका सुषमा सिंह दिलीप सिंह कविता सिंह अनीमा सिंह सुनीता मुकुंटे उपस्थित रही। पार्क में आये नागरिकों को गुलाब का फूल भेंट किया और हेलमेट भी बाँटे गये जिला अध्यक्ष ललिता सिंह के अनुसार एक्सीडेंट का असर पूरे परिवार पर पडताहै। हम सब लगातार ऐसे कैम्पैन चलाते रहेंगे।

आप भी जानिये कार्यक्रम : जोन कार्मिकों की पत्नियों ने किया संयंत्र भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कार्मिकों और उनके परिवारों के साथ संवाद और आत्मीयता को सुदृढ़ करने तथा संयंत्र की कार्यप्रणाली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ऑप्स जोन द्वारा 14 फरवरी 2026 को आप भी जानिये कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य कार्मिकों की पत्नियों को संयंत्र के विभिन्न कार्यक्षेत्रों एवं उत्पादन प्रक्रियाओं से परिचित कराना था, ताकि वे अपने परिवार के सदस्य के कार्यस्थल और उसकी जिम्मेदारियों को निकट से समझ सकें।

कार्यक्रम का शुभारंभ एचआरडी सेंटर में हुआ, जिसमें 23 कार्मिकों की पत्नियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक एचके सचदेव, महाप्रबंधक संजय द्विवेदी, महाप्रबंधक सुश्री के. सुपर्णा, महाप्रबंधक प्रताप शेखर नायक, विभागीय सुरक्षा अधिकारी सत्य प्रकाश वर्मा सहित मानव संसाधन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इसके पश्चात प्रतिभागियों को संयंत्र का विस्तृत भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान उन्हें ब्लास्ट फर्नेस-8 (महामाया), एसएमएस-3, यूनिवर्सल रेल मिल, प्लेट मिल तथा कोकऑवन्स का भ्रमण कराया गया। अधिकारियों द्वारा उत्पादन प्रक्रियाओं, सुरक्षा मानकों तथा संयंत्र की तकनीकी दक्षता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं।

भ्रमण उपरांत विभागीय सम्मेलन कक्ष में मुख्य महाप्रबंधक एच. के. सचदेव द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए संयंत्र की विशालता, अनुशासन एवं कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्हें स्मृति-चिन्ह प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। सहायक प्रबंधक मिहिर मनोहर एवं कनिष्ठ प्रबंधक बी. गोपाल राव ने कार्यक्रम का समन्वय किया। अंत में महाप्रबंधक प्रताप शेखर नाएक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

अपोलो कॉलेज में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयीन उत्सव सद्भावना-2026 का हुआ आयोजन

रंगारंग प्रस्तुति ने दर्शकों का मोह लिया मन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अपोलो कॉलेज अंजोरा में आई.क्यू.ए.सी., सांस्कृतिक गतिविधि समिति, छात्र-अध्यापक परिषद एवं एम.ओ.यू. समिति के संयुक्त तत्वावधान में अंतर महाविद्यालयीन उत्सव सद्भावना-2026 (शिक्षा महाविद्यालयों हेतु) का सफल आयोजन किया गया। इस दो-दिवसीय आयोजन में दुर्ग, भिलाई, अंडा, कुम्हारी एवं राजनांदगांव के विभिन्न शिक्षा महाविद्यालयों के छात्र-अध्यापकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के संचालक संजय अग्रवाल, डॉ. मनीष जैन, आशीष अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. सिद्धार्थ जैन द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। संचालक संजय अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि सद्भावना का उद्देश्य विभिन्न महाविद्यालयों के बीच सहयोग, आपसी समन्वय और मित्रता की भावना को प्रोत्साहित करना है।

अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं के अंतर्गत चटोरी गली-स्वाद का संगम, मॉडल मेकिंग, पेंटिंग, रील मेकिंग, केश सज्जा, स्टैंड-अप कॉमेडी, रैंप वॉक, समूह नृत्य एवं समूह गायन का आयोजन हुआ। प्रमुख परिणाम इस प्रकार रहे- चटोरी गली-स्वाद का संगम: प्रथम-मैत्री कॉलेज` द्वितीय-अपोलो कॉलेज अंजोरा, दुर्ग` तृतीय-सेंट थॉमस कॉलेज, रुआबांधा (भिलाई), पेंटिंग, प्रथम-सेंट थॉमस कॉलेज, रुआबांधा (भिलाई)` द्वितीय-श्री रावतपुरा सरकार कॉलेज, कुम्हारी` तृतीय-अपोलो कॉलेज अंजोरा, दुर्ग, केश सज्जा (हेयर स्टाइल), प्रथम-अपोलो कॉलेज अंजोरा, दुर्ग द्वितीय-मैत्री कॉलेज, भिलाई` तृतीय-संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, ठाकुर राजनांदगांव, स्टैंड-अप कॉमेडी, प्रथम-विद्यापीठ महाविद्यालय` द्वितीय-सेंट थॉमस कॉलेज, भिलाई तृतीय-बी.एन.एस. कॉलेज, भिलाई सेक्टर-8, रैंप वॉक (पुरुष वर्ग), प्रथम-मैत्री कॉलेज,` द्वितीय-संस्कार सिटी कॉलेज तृतीय-रावतपुरा कॉलेज, रैंप वॉक (महिला वर्ग), प्रथम-रॉयल कॉलेज, राजनांदगांव` द्वितीय-स्वरूपानंद कॉलेज` तृतीय-भिलाई मैत्री कॉलेज, समूह गायन, प्रथम-मैत्री कॉलेज द्वितीय-रॉयल कॉलेज` तृतीय-संस्कार सिटी कॉलेज अंत में सभी विजेताओं को महाविद्यालय के संचालक द्वारा पुरस्कृत किया गया।

एम.ओ.यू. के तहत निर्णायक की भूमिका में डॉ. गुरप्रीत कौर छाबड़ा (प्राचार्य, संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, राजनांदगांव), डॉ. संगीता साहू (प्रिंसिपल, सजेस, अंजोरा-दुर्ग), मिस सोनाली (अध्यक्ष, गोल्डन फेदर एडवाइजर), डॉ. संजू सिन्हा (असिस्टेंट प्रोफेसर, शासकीय वी.वाई.टी. पी.जी. ऑटोनॉमस कॉलेज, दुर्ग) सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

डॉ. निशा श्रीवास्तव (प्रोफेसर, घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय, दुर्ग) एवं विनीता कोसरिया (ब्रांच मैनेजर, आदर्श नगर-एस.बी.आई.), स्तुति चक्रवर्ती (एस.बी.आई.) का भी उल्लेखनीय योगदान रहा। अपोलो महाविद्यालय की आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. राखी शर्मा ने सभी अतिथियों, निर्णायकों, शिक्षकों, प्रतिभागियों, छात्र-छात्राओं एवं कमचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सद्भावना-2026 के सफल आयोजन हेतु सभी को बधाई दी। दो-दिवसीय कार्यक्रम में छात्र-अध्यापक परिषद एवं सांस्कृतिक गतिविधि समिति के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी विशेष रूप से सराहनीय रही।

श्री पार्श्व गौ सेवालय की व्यवस्थाओं का अवलोकन

नई दृष्टिबिंदु / नगपुरा-दुर्ग

श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ परिसर में संचालित श्री पार्श्व गौ सेवालय (गौशाला) का आज सुमीत ज्वेलर्स, रायपुर के अंकित कांकरिया एवं रोशन सांखला ने अध्यक्ष गजराज पगारिया तथा ट्रस्टीगण पन्नालाल गोलछा और राजेन्द्र गोलछा के साथ भ्रमण किया। अतिथियों ने गौशाला की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और सुव्यवस्थित संचालन पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर अंकित कांकरिया (सुमीत ग्रुप) ने गौ सेवा प्रकल्प में अपनी सहभागिता जोड़ने का आश्वासन दिया।

उल्लेखनीय है कि अतिथियों के आगमन से कुछ समय पूर्व ही गौशाला में नवशिशु का जन्म हुआ, जिसे शुभ संकेत मानते हुए उन्होंने स्मरणीय सेवा कार्य करने का संकल्प लिया। ट्रस्ट मंडल की ओर से अतिथियों का अभिनंदन कर शुभभावनाओं की अनुमोदना की गई। आने वाले दिनों में तीर्थ में भक्ति और उत्सव का विशेष वातावरण रहेगा।

14 मार्च 2026: तीर्थ परिसर में निर्माणाधीन कलात्मक एवं शिल्प-सौंदर्ययुक्त गुरु मंदिर का भूमिपूजन (खात मुहूर्त)। 19 अप्रैल 2026: गुरु मंदिर का शिलान्यास। 20 अप्रैल 2026: बालदीक्षिता साध्वी श्री आज्ञावशा श्री जी म.सा. आदि का वर्षीतप पारणा। 27 अप्रैल 2026: शासन स्थापना दिवस पर तीर्थ संकुल में प्रतिष्ठित श्री शाश्वता जिनझराजेन्द्रसूरी गुरु मंदिर की प्रतिष्ठा वर्षगांठ एवं ध्वजारोहण उत्सव।

28-29 अप्रैल 2026: जीर्णोद्धारित श्री सिद्धचक्र जीरावला पार्श्वनाथ मंदिर का प्रतिष्ठा उत्सव—28 अप्रैल को प्रारंभिक अनुष्ठान, अट्ठारह अभिषेक महापूजन एवं रात्रि भक्ति; 29 अप्रैल को प्रातः शुभ मुहूर्त में प्रतिष्ठा विधान। समस्त कार्यक्रमों में तीर्थ प्रतिष्ठाचार्य के आज्ञानुवर्तिनी साध्वी श्रीजी एवं साध्वीवृंद की मंगलकारी निश्रा रहेगी। इस अवसर पर देशभर से श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। अध्यक्ष गजराज पगारिया, मैनेजिंग ट्रस्टी पुखराज दुगड़ सहित ट्रस्ट मंडल ने सकल श्री संघ से कार्यक्रमों में पधारकर धर्मलाभ लेने का निवेदन किया है।

राजधानी रायपुर शहर की सूरत बदलने सड़क पर उतरे जनप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर के विकास पुरुष और वरिष्ठ भाजपा नेता, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता और जन-सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। सोमवार को उन्होंने राजधानी रायपुर को सुंदर, सुव्यवस्थित और सुगम यातायात युक्त बनाने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न क्षेत्रों का सघन दौरा किया। विकास कार्यों की धरातलीय स्थिति परखने और भविष्य की कार्ययोजनाओं को गति देने के लिए श्री अग्रवाल ने अधिकारियों की टीम के साथ घंटों पसीना बहाया। निरीक्षण के दौरान सांसद श्री अग्रवाल ने शहर के मध्य स्थित व्यस्त सड़कों का अधिकारियों के साथ अवलोकन किया तथा ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए सड़कों को व्यवस्थित करने, अतिक्रमण हटाने एवं यातायात के सुचारु संचालन हेतु ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए।

सबसे पहले बृजमोहन अग्रवाल ऑक्सीजोन पहुंचे वहां की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया और वहां स्वच्छता, हरियाली एवं नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया और इसे अधिक जन-उपयोगी बनाने के निर्देश दिए। इसके बाद बृजमोहन अग्रवाल शंकर नगर मेन रोड पहुंचे, शंकर नगर क्षेत्र में लंबे समय से बनी ट्रैफिक जाम की समस्या पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़क मार्ग को क्लियर करने एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सांसद श्री अग्रवाल ने कचना में निर्माणाधीन रेल ब्रिज का निरीक्षण कर उसके निर्माण कार्य को

शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही जोरा से कचना, मोवा होते हुए फिर तक प्रस्तावित सड़क निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने शहर की यातायात व्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक बताते हुए उसकी प्रक्रिया को गति देने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त कचना क्षेत्र में रेलवे द्वारा स्वीकृत अंडरपास का भी अवलोकन किया गया।

यहां से श्री अग्रवाल और उनकी टीम नरहरिया तालाब, सिद्धार्थ चौक पहुंची यहां स्वीकृत दिव्यांग पार्क स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रायपुर केवल छत्तीसगढ़ की राजधानी नहीं, बल्कि प्रदेश की पहचान है। इसे सुंदर, सुव्यवस्थित, सुरक्षित और जन-अनुकूल बनाना हमारी प्राथमिकता है। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

शहर के सर्वांगीण विकास, बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं को लेकर सांसद बृजमोहन अग्रवाल की यह सक्रियता राजधानी रायपुर को एक आधुनिक, स्वच्छ एवं सुगम शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति और विशेष रूप से दिव्यांग जनों के लिए एक आधुनिक और सुविधायुक्त स्थान विकसित करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उनके इस तूफानी दौरे से प्रशासनिक अमले में भी सक्रियता देखी गई। स्थानीय नागरिकों ने भी अपने सांसद के इस समर्पण की सराहना करते हुए इसे रायपुर के स्वर्णिम भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

खास खबर

मुख्यमंत्री साय ने लोकतंत्र सेनानी डॉ.निर्मल घोस से की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बैकुंठपुर निवासी 92 वर्षीय लोकतंत्र सेनानी डॉ. निर्मल घोष के निवास पहुंचे और उनसे सौजन्य भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री श्री साय ने डॉ. घोष का शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया। साथ ही उनके परिजनों से आत्मीय चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा डॉ. घोष का संघर्ष, राष्ट्रप्रेम और जीवटता आज भी हमारे लिए प्रेरणादायी है। इस आयु में भी उनकी स्मरण शक्ति और ज्ञान हम सभी के लिए अनुकरणीय है। लोकतंत्र सेनानी से मिलना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

इस अवसर पर डॉ. घोष ने वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान के अपने अनुभव मुख्यमंत्री से साझा किए। उन्होंने बताया कि आपातकाल के समय उन्हें लगभग 19 माह तक विभिन्न जेलों में निरुद्ध रखा गया था। डॉ. घोष ने अपने छात्र जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए बताया कि उन्होंने मिशन स्कूल, माधव राव सप्रे स्कूल तथा नागपुर में अध्ययन किया। वर्ष 1955 में वे आयुर्वेदिक कॉलेज में प्रवेश लिए और सागर विश्वविद्यालय से बीएमएस की डिग्री प्राप्त की। सरकारी सेवा में न जाकर उन्होंने वर्ष 1960 में बैकुंठपुर में निजी चिकित्सालय प्रारंभ किया और लंबे समय तक जनसेवा करते रहे। इस मौके पर कृषि मंत्री राम विचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, भइया लाल राजवाड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

यातायात व्यवस्था सुधार करने के लिए दो माह की विशेष कार्ययोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रमुख मार्ग होंगे नो-वेंडर और पार्किंग फ्री

शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर रायपुर डॉ. संजीव शुक्ला और नगर निगम कमिश्नर विश्वदीप ने 02 माह की विशेष कार्ययोजना तैयार की है। इसे प्रभावी रूप से लागू करने के लिए आज पुलिस कंट्रोल रूम में बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के तीनों जोन के पुलिस उपायुक्त एवं ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य शहर के सभी प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों पर यातायात दबाव कम करना और नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराना था।

बैठक में तय किए गए प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैं: शहर के सभी प्रमुख मार्गों को चरणबद्ध रूप से ठेले/खोमचे या अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। प्रमुख तिराहा-चौराहा से सभी दिशाओं में 50-50 मीटर की नो पार्किंग और नो वेंडिंग जोन लागू किया जाएगा। रिंग रोड नम्बर 01 में टाटीबंध चौक से जोरा ब्रिज तक सर्विस रोड पर खड़े वाहनों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई होगी। प्रमुख मार्गों पर रोड मार्किंग और जेब्रा क्रॉसिंग की जाएगी ताकि यातायात संचालन अधिक सुव्यवस्थित रहे।

ऑटोमैटिक सिग्नल युक्त तिराहा-चौराहों पर कांक्रीट ब्लॉक रखकर लेफ्ट टर्न फ्री किया जाएगा, जिससे यातायात का प्रवाह निर्बाध बना रहे। बाजार क्षेत्र को ठेला/खोमचा मुक्त करने हेतु नवीन वेण्डर जोन निर्धारित किए जाएंगे। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रमुख मार्गों को नो-वेंडर और पार्किंग फ्री जोन घोषित किया गया है। इस योजना के तहत मुख्य सड़कों पर अवैध ठेले-गुमटी और अनियंत्रित पार्किंग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित होंगे। उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। निगम कमिश्नर विश्वदीप ने बताया कि अभियान के तहत सभी प्रमुख मार्गों को अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है। पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी इस पर सतत निगाह रखेगी ताकि कोई पुनः अतिक्रमण न कर सके। उन्होंने कहा कि नगर निगम यातायात व्यवस्था के सुगम संचालन में रायपुर पुलिस का हर संभव सहयोग करेगा।

विशेष ध्यान रिंग रोड नम्बर 01 पर दिया गया है। टाटीबंध चौक से जोरा ब्रिज तक पार्किंग मुक्त क्षेत्र में खड़े वाहनों पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। अवैध पार्किंग करने वाले वाहनों पर चालानी कार्रवाई के साथ आवश्यकतानुसार क्रेन और टोइंग की कार्रवाई की जाएगी इस योजना से रायपुर शहर की यातायात प्रणाली अधिक व्यवस्थित और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनेगी। अधिकारियों ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे नो-पार्किंग और नो-वेंडर जोन का पालन करें, ताकि शहर में निर्बाध आवागमन सुनिश्चित हो सके।

लगातार सर्वे कर नाली से गुजरे पाइपलाइन एवं नल कनेक्शन को किया जा रहा शिफ्ट

रायपुर नगर निगम में सभी जोनों के जल विभाग द्वारा नाली से गुजरे पाइपलाइनों एवं घरेलू नल कनेक्शनों का लगातार सर्वे कर शिफ्टिंग का कार्य किया जा रहा है। विभिन्न वार्डों के टेल-एन्ड्स (Tail Ends) में जल आपूर्ति के दौरान लो-प्रेशर की समस्या के निराकरण के लिए पाइप को बीच से राइडिंग तथा काटकर वॉल्व स्थापित किए जा रहे हैं। रायपुर नगर निगम के जल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शहर के 70 वार्डों में 45 टंकियों से जल वितरण वाहिनी के माध्यम से जलप्रदाय सुनिश्चित की जाती है। जल वितरण पाइपलाइन अधिकतर स्थानों पर सुरक्षित जगहों से प्रत्येक गलियों में सावधानीपूर्वक बिछाई गई है। छोटी-छोटी गलियों एवं एक वार्ड से दूसरे वार्ड में जल वितरण पाइप को बिछाते समय बीच-बीच में छोटी-बड़ी नालियों को क्रॉस करते हुए ले जाने की आवश्यकता पड़ने पर बहने वाली नालियों के नेचुरल-फ्लो को ध्यान में रखते हुए ऊपर उठाकर क्रॉस किया गया है। ऐसी जगहों पर जहां घरेलू कनेक्शन नालियों से गुजरे हैं, वहां वृहद अभियान चलाते हुए सभी कनेक्शनों को संबंधित जोनों के जल विभाग के माध्यम से ऊपर किया गया है। अभी भी कुछ स्थानों पर नालियों के नजदीक लगभग 5 किलोमीटर पाइपलाइन को हटाने के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिन्हें जल विभाग के माध्यम से हटाये जाने की कार्यवाही की जा रही है। रायपुर नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बड़े साइज के जल वितरण पाइप्स को केसिंग लगाकर सुरक्षा प्रदान की जा रही है। सभी जोनों में जल बोर्ड की टीमों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग कर ऐसे स्थान जहां नाली से होकर गुजरने वाले पाइपलाइनों की शिफ्टिंग की जरूरत है।

छत्तीसगढ़ के किसानों ने ओडिशा में देखी ऑयल पाम की खेती

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के किसान ओडिशा में ऑयल पाम की खेती का अवलोकन किया। ओडिशा के किसानों द्वारा ऑयल पाम की खेती से प्राप्त आमदनी से काफी प्रभावित हुए। गौरतलब है कि सूरजपुर जिले में ऑयल पाम खेती के विस्तार एवं किसानों की आय वृद्धि के उद्देश्य से उद्यानिकी विभाग द्वारा 25 कृषकों का प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम नुआपाड़ा जिला के खरियार रोड स्थित बेलदुकरी ग्राम में प्रगतिशील कृषक लक्ष्मी चंद्राकर के प्रक्षेत्र पर आयोजित कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को ऑयल पाम उत्पादन की उन्नत तकनीकों से अवगत कराना तथा आधुनिक एवं लाभकारी कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को ऑयल पाम की उन्नत किस्मों, वैज्ञानिक पौधरोपण विधि, संतुलित पोषण प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा आधुनिक सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने प्रक्षेत्र में व्यवहारिक प्रदर्शन कर उत्पादन बढ़ाने की प्रभावी तकनीकों का मार्गदर्शन प्रदान किया। किसानों ने रोपण के 4 वर्ष से 10 वर्ष तक के पौधों से प्राप्त सफल उत्पादन को प्रत्यक्ष रूप से देखा और समझा।

ओडिशा के कृषकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्रति एकड़ 1.5 से 2 लाख रुपये तक वार्षिक आय प्राप्त हो रही है। दीर्घकालीन 25 से 30 वर्षों तक सतत उत्पादन, अंतरवर्ती फसलों से अतिरिक्त आमदनी तथा कम लागत में अधिक लाभ की संभावनाओं ने प्रतिभागी किसानों को अत्यंत प्रभावित किया। उद्यानिकी तकनीकी अधिकारी श्रीमती अरुणा कुजूर एवं वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी द्वारा नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल - ऑयल पाम योजना के अंतर्गत उपलब्ध अनुदान की जानकारी दी गई। योजना के तहत प्रति हेक्टेयर रखरखाव हेतु 6,750 रूपए (केंद्र सरकार द्वारा 5,250 एवं राज्य की ओर से 1,500 रूपए प्रदान किया जाता है), इसी तरह अंतरवर्ती फसल हेतु 10,250 (केंद्र द्वारा 5,250 एवं राज्य द्वारा 5000 रूपए), ड्रिप सिंचाई प्रणाली हेतु 22,765 रूपए (केंद्र द्वारा 14,130 एवं राज्य द्वारा 8,635 रूपए) का अनुदान प्रदान किया जा रहा है।

कटघोरा वनमंडल की सतर्कता से तेंदुए का सफल रेस्क्यू, शिकारी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रभावी प्रयासों और वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में कटघोरा वनमंडल ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। पाली परिक्षेत्र में फंदे में फंसे तेंदुए का सफल रेस्क्यू कर आरोपी शिकारी की गिरफ्तारी की गई है, यह विभाग की त्वरित कार्यवाही, आधुनिक तकनीक और टीमवर्क की सफलता को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि बीते 9 फरवरी की रात पाली परिक्षेत्र के लाफा बीट में सूचना मिली कि एक युवा तेंदुआ शिकारी द्वारा लगाए गए फंदे में फंस गया है। सूचना मिलते ही वनमंडलाधिकारी कुमार निशांत के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। कठिन पहाड़ी रास्ते और तेंदुए की आक्रामक स्थिति के बावजूद टीम ने तत्काल रेस्क्यू का निर्णय लिया।

साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन

उच्च अधिकारियों की अनुमति के बाद बिलासपुर से पशु चिकित्सक डॉ. चंदन और उनकी टीम को बुलाया गया। रात लगभग 10.40 बजे तेंदुए को सुरक्षित रूप से ट्रैंकुलाइज किया गया और कुछ ही मिनटों में उसे क्लच वायर के फंदे से बाहर निकाल लिया गया। घायल तेंदुए का प्राथमिक उपचार कर उसे बेहतर इलाज के लिए कानन पंडारी भेजा गया। अगले दिन अचानकमार टाइगर रिजर्व से डॉग स्क्वाड टीम को बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से सुराग जुटाते हुए आरोपी के घर तक पहुंच बनाई। वहां से शिकार में उपयोग किए गए तार और अन्य सामग्री बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी विजय कुमार गोंड ने अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद उसे न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया।

उपचार के बाद तेंदुए की स्थिति में सुधार होने पर विशेषज्ञों की सलाह से उसे पुनः जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। छोड़ने से पहले क्षेत्र में एंटी-स्नेयर वॉक कर अन्य फंदों की जांच की गई तथा ट्रैप कैमरों और निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया गया। यह सफलता दर्शाती है कि छत्तीसगढ़ में वन्यजीव संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

कमिश्नरी व्यवस्था में न्यायालयीन सख़्ती की हुई दमदार शुरुआत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर में कमिश्नरी व्यवस्था लागू होने के बाद सेंट्रल जोन अंतर्गत न्यायालयीन कार्यवाही का प्रभावी और सख़्त आगाज देखने को मिला। प्रथम दिवस पर सहायक पुलिस आयुक्तों (एसीपी) ने कार्यपालिक दंडाधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करते हुए लोक शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में त्वरित कदम उठाए। अधिकारियों की सक्रियता और समयबद्ध कार्रवाई ने स्पष्ट संकेत दिया कि कमिश्नरेट प्रणाली के तहत अब विधिसम्मत प्रक्रिया और सख़्ती को प्राथमिकता दी जा रही है।

डीसीपी सेंट्रल जोन के मार्गदर्शन में एसीपी कोतवाली एवं एसीपी सिविल लाइन कोर्ट में विभिन्न प्रकरणों पर सुनवाई और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। इसी क्रम में एसीपी कोतवाली द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170, 126 एवं 135(3) के अंतर्गत एक प्रकरण में दो अनावेदकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जेल वारंट तैयार किए गए। साथ ही दोनों अनावेदकों को कारण बताओ नोटिस विधिवत तामील कराए गए, जिससे प्रक्रिया की पारदर्शिता और त्वरितता सुनिश्चित हो सके।

इसके अतिरिक्त एसीपी कोतवाली ने धारा 126 एवं 135(3) के अंतर्गत पांच अलग-अलग प्रकरणों में कुल 13 अनावेदकों को कारण बताओ नोटिस एवं समन जारी किए। कमिश्नरी व्यवस्था के तहत इन सभी नोटिस और समन की तामील त्वरित रूप से कराई गई। अधिकारियों का कहना है कि समयबद्ध तामील से न्यायालयीन कार्यवाही की प्रभावशीलता बढ़ती है और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब से बचा जा सकता है। वहीं एसीपी सिविल लाइन द्वारा भी लोक शांति भंग होने की आशंका के दृष्टिगत धारा 126 एवं 135(3) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत छह अनावेदकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। इन सभी नोटिसों की तामील निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित की गई। न्यायालयीन प्रक्रिया के प्रथम दिवस पर ही इस प्रकार की सख़्त और संगठित कार्रवाई को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कमिश्नरेट व्यवस्था के अंतर्गत की गई इस न्यायालयीन कार्यवाही से यह स्पष्ट संदेश गया है कि सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव, झगड़ा अथवा लोक शांति भंग करने जैसी गतिविधियों के प्रति अब शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कमिश्नरी प्रणाली का उद्देश्य न केवल अपराध नियंत्रण है, बल्कि नागरिकों में सुरक्षा और विश्वास की भावना को सुदृढ़ करना भी है। प्रथम दिवस पर हुई त्वरित और विधिसम्मत कार्रवाई ने संकेत दिया है कि रायपुर में कमिश्नरी व्यवस्था के तहत कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह और सख़्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

मुलाकात प्रख्यात कलाकार अरुण गोविल ने दी सुनो श्री राम कहानी की भावपूर्ण प्रस्तुति

आस्था, संस्कृति और रामकथा से आलोकित हुआ राजिम कुंभ कल्प

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के प्रयाग राजिम की पावन धरा पर आयोजित राजिम कुंभ कल्प 2026 में आस्था, संस्कृति और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिला। त्रिवेणी संगम के पावन तट पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में सुप्रसिद्ध कलाकार एवं भगवान श्रीराम की भूमिका से जनमानस में विशेष पहचान रखने वाले अरुण गोविल ने सुनो श्री राम कहानी की भावपूर्ण प्रस्तुति दी, जिससे संपूर्ण परिसर भक्ति और श्रद्धा के दिव्य वातावरण से ओतप्रोत हो उठा।

इस अवसर पर अरुण गोविल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आत्मीय भेंट की तथा राजिम कुंभ कल्प के भव्य आयोजन और उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। गोविल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत, जनआस्था और लोगों का आत्मीय स्नेह उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव रहा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सनातन परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत उत्सव है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आस्था, संस्कृति और पर्यटन के संरक्षण-संवर्धन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है तथा ऐसे आयोजनों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर और सशक्त हो रही है।

कार्यक्रम में खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, महासमुंद सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, राजिम विधायक रोहित साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति थी। उल्लेखनीय है कि राजिम कुंभ कल्प 2026 के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान, धार्मिक पर्यटन और आध्यात्मिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल रही है। राज्य सरकार द्वारा आयोजित यह महोत्सव आस्था, संस्कृति और पर्यटन संवर्धन का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है।

मंत्री नेताम 20 को करेंगे एकलव्य विद्यालयों की समीक्षा

आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम की अध्यक्षता में 20 फरवरी को दोपहर 2:30 बजे आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान सेक्टर-24 अटल नगर, नवा रायपुर के सभाकक्ष में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। इस आशय का पत्र आयुक्त कार्यालय द्वारा प्रदेश के सभी सहायक आयुक्तों, प्राचार्यों और प्रोजेक्ट डायरेक्टर तथा भवन निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि को जारी कर दिया गया है। बैठक में निर्धारित समय एवं स्थान में एकलव्य विद्यालयों की अद्यतन स्थिति की जानकारी सहित अधिकारियों को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

बिना अनुमति डीजे बजाने पर रायपुर पुलिस की होगी सख्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट सेंट्रल जोन अंतर्गत गोल बाजार थाना क्षेत्र में बिना वैध पुलिस अनुमति डीजे संचालित करने पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की गई है। कार्रवाई को कोलाहल अधिनियम और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत करते हुए डीजे वाहन उ उपकरण जब्त किया गया है। जांच में पाया गया कि डीजे संचालक कुणाल बावले, जो मूलतः धमतरी के निवासी है, वह बिना अनुमति डीजे चला रहा था, जिससे सार्वजनिक शांति भंग हो रही थी।

बता दें कि डीसीपी सेंट्रल जोन की अध्यक्षता में पहले आयोजित बैठक में डीजे, साउंड सिस्टम, धुमाल पार्टी और टेंट संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि बिना अनुमति डीजे का संचालन नहीं किया जाएगा। साथ ही आगामी दिनों में छात्रों की परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए शोर-शराबे से बचने की भी अपील की गई थी।

पूर्व में दी गई चेतावनी और अपील के बावजूद नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित डीजे संचालक के विरुद्ध कोलाहल अधिनियम एवं मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई करते हुए डीजे वाहन को जब्त किया गया है। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा अवधि एवं सार्वजनिक शांति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले किसी भी अवैध डीजे संचालन पर आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और बिना अनुमति संचालन करने वालों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

संपादकीय

सड़कें व्यापार के लिए नहीं पर सड़कों पर व्यापार होता है

सब जानते हैं शहर की सड़कें ठेला लगाकर, सड़क किनारे कब्जा कर दुकान का सामान रख कर व्यापार करने के लिए नहीं है। सड़कें जनता के चलने के लिए हैं। लेकिन कोई मानता नहीं है सब सड़क पर वह सब काम करते हैं जिससे उनको सुविधा होती है। कोई समझता है कि सड़क है तो उसके दुकान का सामान बाहर रखने के लिए है, कोई चाय, नाश्ता ठेला लगाता है तो वह समझता है कि सड़क तो उसके ठेला रखने के लिए बनाई गई है। कोई समझता है कि सड़के बनाई इसलिए गई है कि वह अपनी कार व दुपहिया सड़क पर खड़ी कर सकें। सड़कें चौड़ी इसीलिए बनाई जाती हैं लोग आसानी से कहीं जाना है तो समय पर पहुंच सके लेकिन सड़कों का उपयोग चलने से ज्यादा दूसरों कामों में ज्यादा किए जाने से हर सड़क दिन के वक्त किसी मोहल्ले की संकरी गली जैसी हो जाती है और उस पर कई जगह इसी वजह से जाम लगता है, जाम में फंसे लोग कहीं समय पर पहुंच नहीं पाते हैं।

सड़क पर जाम से आए दिन परेशान रहने वाले लोगों को अच्छा लगता है जब पुलिस व नगर निगम की टीम दिन के वक्त संकरी सड़कों को चौड़ी करने के लिए लावलश्कर के साथ उतरती है। सड़क किनारे दुकान का सामान जब्त करती हैं, दुकान के शेड को तोड़ती है। ठेलों व फुटपाथ पर व्यापार करने वालों का सामान जब्त करती है। एक दिन मौदहापारा मे, दूसरे दिन मालवीय रोड़, बैजनाथ पारा, एवरग्रीन चौक आदि से अवैध कब्जा हटाया जाता है। सड़क एक दो दिन चौड़ी दिखती है, लोगों को दिखता है कि हमारे शहर की सड़के तो चौड़ी है, यह हमेशा इतनी चौड़ी क्यों नही रहती हैं। वह इसलिए नहीं रहती हैं क्योंकि दूसरे दिन ही सबकुछ पहले जैसा हो जाता है, लोग फिर से सड़क पर कब्जा कर अपना काम करने लगते हैं। निरंतर सख्ती नहीं किए जाने से हमारे शहर में सड़क पर कब्जा करके अपनी सुविधा का काम करना सबसे आसान है।

बरसों से यही होता आ रहा है कि नगर निगम व पुलिस की टीम साल में एक दो बार अवैध कब्जों को हटाने का काम करते हैं उसके बाद वह कुछ नहीं करती हैं तो इससे लोगों को लगता है कि वह सड़क पर महीनों कुछ भी कर सकते हैं। कोई महीनों ठेला लगा सकता है, कोई महीनों कार खड़ी कर सकता है, कोई दुकान की सामने की जगह किसी को धंधा करने के लिए दे सकता है। इसके लिए पुलिस व निगम प्रशासन भी उतना ही दोषी जितने दोषी सड़क पर कब्जा करने वाले है। वह एक दो दिन सख्ती करते है, उसके बाद सख्ती करना भूल जाते हैं। सड़क को साल भर चौड़ी बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी है लेकिन वह एक दो ही सड़क को चौड़ी रख पाते हैं। सड़क को संकरी रखने से किसी को यदि पैसा मिलता है तो वह सड़क चौड़ी करने का काम करके अपना नुकसान कैसे कर सकता है। सड़क पर जो धंधा करते हैं वह अपने लिए तो पैसा कमाते ही हैं, वह उन लोगों के लिए पैसा कमाते हैं जो उनको सड़क पर धंधा करने देते हैं। सड़कें लोगों के चलने के लिए हैं तो कुछ लोगों के लिए कमाई का जरिया भी हैं।

किसी मोहल्ले में कोई मंत्री, विधायक या महापौर हो जाए तो उस मोहल्ले के लोगों को लगता है कि मोहल्ले की सड़क भी हमारे मंत्री, विधायक व महापौर की है। मोहल्ले की सड़क का हम जैसा चाहे वैसा उपयोग कर सकते हैं। शहर में कई जगह ऐसा बरसों से हो रहा है। कहीं एक दिन तो कहीं बारहों महीनों सड़क पर ही बाजार लगता है और अब तो वह समझते हैं कि यह उनका अधिकार है। किसी पूर्व विधायक, पूर्व महापौर व पूर्व मंत्री के इलाके में निगम व पुलिस की टीम अवैध कब्जे हटाती है, अच्छा काम करती है तो राजनीति शुरू हो जाती है कि किसी नेता का बयान आ जाता है कि सिस्टम के तहत नहीं की जा रही है कार्रवाई। भाजपा से जुड़े व्यापारियों के विरुध्द नहीं की जा रही है कार्रवाई। कांग्रेस से जुड़े व्यापारियों को परेशान किया जा रहा है।

शहर के लोगों को यह पढ़कर भी अच्छा लगता है कि यातायात को सुगम बनाने और शहर को कब्जामुक्त करने के लिए हुई बैठक में महापौर कहती हैं कि हमारा लक्ष्य जनता को सुविधाएं मुहैया कराना है। सड़क चाहे किसी भी विभाग की हौंयह मायने नही रखता है।वह भी चिंतित है कि अभियान चलाने के बाद भी लगातार अवैध कब्जा सड़क पर बना रहता है। वह यह भी मानती है कि छोटे मोटे काम करके परिवार चलाने वालों को निगम वेंडर जोन बनाकर नहीं दे सका इसी वजह से सड़क के किनारे ही ठेले व गुमटियां दिखते हैं। महापौर की यह बात भी अच्छी लगती हैं कि जो भी जनता के हित में है वह काम किया जाएगा चाहे इसके लिए सख्ती क्यों न करनी पड़े, क्योंकि व्यवस्था बनाना हमारी जिम्मेदारी है, सबसे पहले 18 चौक चौराहों को व्यवस्थित किया जाएगा। जनता देख रही है कि महापौर आने वाले समय में क्या कर पाती हैं क्योंकि जनता ने तो ऐसे बातें कहते कई महापौर को देखा है।

शी-बॉक्स पोर्टल: कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए यह एक डिजिटल कवच

सावित्री ठाकुर, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार

भारत जब 2047 में अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर है, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने महिला-नेतृत्वित विकास को राष्ट्रीय प्रगति का केंद्र बिंदु बनाया है। महिलाओं की समावेशी आर्थिक वृद्धि में निर्णायक भूमिका को स्वीकार करते हुए सरकार ने ऐसा सुरक्षित, सम्मानजनक और संवेदनशील कार्य वातावरण तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया है, जिससे महिलाएं आत्मविश्वास के साथ कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ सकें। इसी दिशा में कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़ (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में कार्य करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते एक दशक में महिला सशक्तिकरण को केवल एक नारा नहीं, बल्कि नीति, संरचना और प्रभावी क्रियान्वयन का विषय बनाया है। नारी शक्ति को राष्ट्र की उन्नति का आधार मानते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में व्यापक संस्थागत सुधार किए गए हैं। इसी दूरदर्शी दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण और व्यावहारिक उदाहरण है महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017 में प्रारंभ किया गया शी-बॉक्स पोर्टल, जो कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और न्याय तक सहज पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक सशक्त डिजिटल मंच के रूप में उभरा है।

आज भारत में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 23.3त से बढ़कर 2023-24 में 41.7त हो गई। सरकारी और निजी क्षेत्रों के साथ-साथ स्टार्टअप्स, सेवा क्षेत्र, शिक्षा, स्वास्थ्य और असंगठित क्षेत्रों में भी महिलाएँ बड़ी संख्या में कार्यरत हैं। ऐसे में यह अनिवार्य हो जाता है कि कार्यस्थल सुरक्षित, सम्मानजनक और भय-मुक्त हों। कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड? (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पॉश अधिनियम) इसी उद्देश्य से बनाया गया था। मोदी सरकार ने कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए डिजिटल गवर्नेंस के तहत शी-बॉक्स पोर्टल को 29 अगस्त 2024 को तकनीकी सुधारों के साथ पुनः लॉन्च किया, जिससे यह अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल और पारदर्शी बन सके।

यह पोर्टल देशभर में गठित आंतरिक समितियों और स्थानीय समितियों से संबंधित सूचनाओं का एक केंद्रीकृत भंडार प्रदान करता है। शी-बॉक्स पोर्टल का उन्नत संस्करण महिलाओं को सीधे संबंधित आईसी या एलसी के पास शिकायत दर्ज करने की सुविधा देता है। इससे शिकायत प्रक्रिया में होने वाली देरी और अनावश्यक मानवीय हस्तक्षेप में कमी आती है। शिकायतकर्ता अपनी शिकायत की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक भी कर सकती हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह मंच सरकारी या निजी, संगठित या असंगठित - हर क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के लिए समान रूप से सुलभ है। इससे यह स्पष्ट होता है कि मोदी सरकार की महिला सुरक्षा की नीति किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि समावेशी है।

प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल इंडिया विज? के अनुरूप, शी-बॉक्स महिलाओं को सुरक्षित, सरल और गोपनीय तरीके से शिकायत दर्ज करने और उसकी प्रगति ट्रैक करने की सुविधा देता है। पोर्टल पर दर्ज की गई शिकायत सीधे संबंधित कार्यस्थल की आंतरिक समिति या जिले की स्थानीय समिति तक पहुँचती है। गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था की गई है कि आंतरिक समिति की अध्यक्ष के अलावा कोई अन्य व्यक्ति शिकायत का विवरण नहीं देख सकता, जिससे पीड़िता की पहचान सुरक्षित रहती है।

पॉश अधिनियम के तहत सरकार का दायित्व है कि वह शिकायतों से संबंधित आंकड़ों का संधारण और निगरानी करे। इस अधिनियम के अंतर्गत किसी भी शिकायत की जाँच के लिए 90 दिनों की समय-सीमा निर्धारित की गई है, जिसका पालन सुनिश्चित करने में शी-बॉक्स पोर्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समयबद्ध निपटारे को सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय द्वारा डैशबोर्ड अलर्ट, ईमेल और मेसेज के माध्यम से नियमित रिमाइंडर भेजे जा रहे हैं। यह सक्रिय प्रणाली मोदी सरकार की उत्तरदायित्व और परिणाम आधारित शासन की सोच को दर्शाती है।

शी-बॉक्स की प्रभावशीलता में नोडल अधिकारियों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक कार्यस्थल पर नियुक्त नोडल अधिकारी, नियोक्ता, आंतरिक/स्थानीय समिति और शिकायतकर्ता के बीच समन्वय स्थापित करते हैं। यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि शिकायतें केवल दर्ज न हों, बल्कि उन पर समय पर और नियमानुसार कार्रवाई भी हो।

महिला-केंद्रित नीतियों के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो आज देश में 10 करोड़ से अधिक महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं, और लखपति दीदी जैसी पहल के माध्यम से लाखों महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। वहीं नमो ड्रोन दीदी जैसी अभिनव योजनाएँ महिलाओं को आधुनिक तकनीक, कृषि सेवाओं और उद्यमिता से जोड़ते हुए उन्हें नए और औपचारिक कार्यक्षेत्रों में प्रवेश का अवसर दे रही हैं। ऐसे में जब बड़ी संख्या में महिलाएँ पहली बार संगठित और औपचारिक कार्यस्थलों का हिस्सा बन रही हैं, शी-बॉक्स जैसे प्लेटफॉर्म उन्हें यह भरोसा देते हैं कि सरकार उनके साथ खड़ी है - न केवल कानून बनाकर, बल्कि उसे जमीन पर प्रभावी और जवाबदेह ढंग से लागू करके।

बहुभाषी समर्थन, रीयल-टाइम ट्रैकिंग और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से शी-बॉक्स पोर्टल कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा को केवल एक कानूनी प्रावधान तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उसे एक व्यवस्थित, भरोसेमंद और जवाबदेह संस्थागत ढांचे में परिवर्तित करता है।

शी-बॉक्स वास्तव में एक दूरदर्शी विज? का सशक्त प्रतिबिंब है, जहाँ नारी शक्ति को भय से मुक्त कर, सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्यस्थलों में आगे बढ़? का अवसर दिया जा रहा है, ताकि महिलाएँ अपनी पूरी क्षमता के साथ विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।

क्या शबाना महमूद ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनेंगी?

डॉ. सुधीर सक्सेना

वह सुदर्शना है। सुशिक्षिता है। युवा और अनुभवी हैं। तत्पर और प्रत्युत्पन्नमति हैं। संसद और बाहर वह मुखर है। कलुष के बेदव दौर में उनकी छवि बेदाग और उजली है। इतनी खूबियों से सुसज्ज शबाना महमूद इन दिनों सुर्खियों में हैं। संप्रति वह ब्रिटेन की सेक्रेट्री फार द होम यानि गृहमंत्री है। एप्सटीन फाइल्स के जेरे-बहस दौर में इस आशय की अटकलों का सब्जा दरो-दीवार और मुंडेरों पर उग आया है कि क्या वह ब्रिटेन की प्रधानमंत्री होंगी। फिलहाल उनके और प्रधानमंत्री पद के दरम्यान एक सोपान का फासला है। यदि वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो वह एशियाई मूल की दूसरी और मुस्लिम संप्रदाय की पहली महिला होंगी। गौरतलब है कि भारतीय मूल के ऋषि सूनक इसके पूर्व ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके है, जबकि शबाना पाकिस्तानी मूल की नेत्री है।

लोकतंत्र के जनक ब्रिटेन में इन दिनों कुख्यात एप्सटीन फाइल्स को लेकर बावेला मचा हुआ है। कई राजनेता पद त्याग को बाध्य हुये हैं। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। यदि दबाव अधिक बढ़ा तो मजबूरन उन्हें इस्तीफा देना पड़ सकता है। इस कयास के मद्देनजर शबाना महमूद के पीएम बनने की संभावना प्रबल है। 45 वर्षीया शबाना सत्तारूढ़ ब्रिटिश लेबर पार्टी की सदस्या और बैरिस्टर हैं। वह पहले पहल सन 2010 में मई के आमचुनाव में बर्मिघम लेडीवुड से एमपी चुनी गयी थीं। तदंतर वह चुनावों में लगातार विजयी हुई। जीत की हैटट्रिक बना चुकी शबाना ब्रिटिश लेबर पार्टी की अग्रणी नेताओं में शुमार हैं। सन 2024-25 में सेकेट्री फार जस्टिस यानि न्यायमंत्री रहने के बाद गत वर्ष उन्हें गृह जैसा महत्वपूर्ण महकमा सौंपा गया।

17 सितंबर, सन 1980 को बर्मिघम में जनमी शबाना के परिवार की जड़े पाकअधिकृत काशमीर में मीरपुर में है। माँ जुनेदा और पिता महमूद अहमद की संतान शबाना के दो भाई और एक बहन है। अनमें एक उनका जुड़वा भाई है। सन 1981 से 1986 तक वह परिवार के साथ सऊदी अरब तैफ में रहीं जहां उनके पिता सिविल इंजीनियर थे।

उसके बाद परिवार बर्मिघम चला आया। पिता जहाँ लेबर गर्टी से जुड़ गये, वहीं मां स्वयं की सुविधा-शॉप का संचालन करने लगीं 11वीं कक्षा में अनुतीर्ण रहने पर वह स्माल हीथ स्कूल और किंग एडवर्ड षष्टम कैंप हिल स्कूल में पढ़ीं। अंततः उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के अंतर्गत लिंकन कॉलेज से कानून में उपाधि हासिल की। पूर्व पीएम ऋषि सूनक कॉलेज में उनसे एक दर्जा आगे थे और शबाना जूनियर कॉमन रूम के चुनाव में ऋषि ने उन्हें वोट देने का वायदा किया था।

युवा शबाना बर्मिघम में पिता के राजनीतिक कार्यों में हाथ तो बंटाती थीं, अलबत्ता उनकी ख्वाहिश थी कि वह बैरिस्टर बने। उनकी यह ख्वाहिश पूरी हुई। सन 2010 में जब निवतमान सांसद क्लेयर शार्ट ने बर्मिघम से चुनाव लड़? की अनिच्छा व्यक्त की तो शबाना ने दावेदारी की होड़ में याई मॉस्क्टी को पीछे छोड़ दिया। इस द्वन्द ने इलाके में जातीय धड़ेबाजी को को बढ़ावा दिया, वह फिलिस्तीन समर्थक और इस्रायली उत्पादों के बहिष्कार की हिमायती नेत्री के तौर पर उभरीं। विवाद होने पर उन्होंने सतकर्तापूर्वक अपने पाँव पीछे खींच लिये, लेकिन इसने उनकी छवि जियोनिज्म (यहूदीवाद) विरोध की बना दी। वह इस्लाम में गहरी आस्था के लिये भी जानी गयीं और उन्होंने इसे कभी छुपाया नहीं। शबाना, रोशनआरा अली और यास्मीन कुरैशी की तिकड़ी ने बीते दशक में खासी शोहरत कमाई। लेबर नेता जेरेमी कार्बिन्स से मतभेदो को उन्होंने कभी छिपाया नहीं और साहसपूर्वक दायित्व संभालने की पेशकशों को ठुकरा दिया। बहरहाल, सितंबर 2023 में कीर स्टार्मर ने उन्हें शैडो सेक्रेट्री बनाया। सन 2024 के आम चुनाव में उनका मुकाबला निदर्लीय अखमेद याकूब से हुआ, लेकिन वह विजयी रहीं। जुलाई, 2024 उनके लिये नेमत लेकर आई, जब स्टार्मर ने उन्हें न्याय सचिव और लार्ड चांसलर बनाया। इस ओहदे को संभालने वाली वह तीसरी महिला और पहली मुस्लिम थीं।

शबाना दो टूक कहती हैं कि इस्लाम उनका अपना धर्म है और अन्य इस्लाम धर्मावलंबियों की भांति उनके जीवन में आस्था महत्त्वपूर्ण तत्त्व है। यह तत्व उनके समस्त कार्यों का प्रेरक है। अवैध आव्रजन को लेकर शबाना की भावभंगिमा कठोर है और वह अवैध आव्रजकों और दंगाइयों से कठोरता से निपटने में यकीन रखती हैं। उन्हें ब्रिटिश लेबर पार्टी के अनुदार नीले (ब्लू) धड़े की मेंबर के तौर पर देखा और जाना जाता है। एप्सटीन फाइल्स के नामों के उजागर होने के बाद जिस तरह परिस्थितियां बदल रही है, उनसे यह कयास लगाया जा रहा है कि शबाना कल ब्रिटेन की पहली मुस्लिम महिला प्रधानमंत्री हो सकती है।

दृष्टि दिव्यांगता पर संकल्प की जीत : आत्मनिर्भरता की मिसाल बने अभिनंदन, अब गढ़ रहे नई प्रतिभाओं का भविष्य

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

दृढ़ इच्छाशक्ति, अटूट आत्मविश्वास और संगीत के प्रति समर्पण ने यह सिद्ध कर दिया है कि शारीरिक सीमाएं सफलता की राह में अवरोध नहीं बनतीं। दृष्टि दिव्यांगता को चुनौती देते हुए अभिनंदन नशीने ने आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान की ऐसी प्रेरक कहानी रची है, जो पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित रायपुर मठपुरैना स्थित शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय में वर्ष 2006 में कक्षा पहली में प्रवेश लेने वाले अभिनंदन ने वर्ष 2019 में बारहवीं कक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालयीन शिक्षा के दौरान वे विद्यालय के ऑर्केस्ट्रा ग्रुप रोशनी के सक्रिय सदस्य रहे और अपनी मधुर आवाज से अनेक मंचों पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। संगीत के प्रति गहरी लगन ने उन्हें उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर किया। उन्होंने इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ से संगीत विषय में स्नातक शिक्षा पूर्ण कर अपनी प्रतिभा को शैक्षणिक आधार प्रदान किया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया और आज उसी विद्यालय में संगीत शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं, जहां से उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी।

वर्तमान में श्री अभिनंदन दृष्टि दिव्यांग बच्चों को संगीत की विधिवत शिक्षा देकर उनकी छिपी प्रतिभा को मंच प्रदान कर रहे हैं। वे केवल शिक्षक नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत भी हैं। उनके मार्गदर्शन में कई बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अभिनंदन द्वारा संचालित अभिनंदन म्यूजिकल परिवार ऑर्केस्ट्रा समूह दिव्यांग कलाकारों के लिए एक सशक्त मंच के रूप में उभरा है। यह समूह विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में अपनी प्रस्तुतियों से समाज में सकारात्मक संदेश दे रहा है। इसके साथ ही उन्होंने मोहला-मानपुर जिले में समाज कल्याण विभाग के कार्यक्रमों हेतु जागरूकता गीतों की रचना कर सामाजिक सरोकारों से भी अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।

श्री अभिनंदन की जीवन यात्रा यह संदेश देती है कि यदि संकल्प अडिग हो तो चुनौतियां भी सफलता की सीढ़ियां बन जाती हैं। उनका संघर्ष और उपलब्धियां प्रदेश के दिव्यांगजनों के लिए आशा, प्रेरणा और आत्मविश्वास का प्रतीक हैं। राज्य सरकार की समावेशी नीतियों और सशक्तिकरण के प्रयासों के परिणामस्वरूप आज ऐसे अनेक प्रतिभाशाली दिव्यांगजन समाज की मुख्यधारा में अपनी पहचान स्थापित कर रहे हैं। श्री अभिनंदन की उपलब्धियां इसी सकारात्मक परिवर्तन की सशक्त अभिव्यक्ति हैं।

श्रम विभाग के अधीन संचालित योजना घर पहुंचकर दिलाया जा रहा लाभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों के बेहतरी के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। इसी क्रम में श्रम विभाग के अधीन संचालित छग भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमकार कल्याण मंडल के अंतर्गत मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना तहत पंजीकृत श्रमिक के मृत्यु उपरांत उनके वैध उत्तराधिकारी, नामिनी को योजनांतर्गत देय हितलाभ एक लाख रुपये का लाभ दिया जा रहा है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में विभाग द्वारा एक सतत अभियान चलाकर इस योजना के अंतर्गत पीड़ित परिवारों के घर पहुच जाँच कर उनको लाभ दिलाया जा रहा है। निर्माण श्रमिक, असंगठित कमकार एवं उनके परिवार को दुःख की घड़ी में आर्थिक सहायता प्रदान करना इस योजना का उद्देश्य है।

अम्बागढ़ चौकी विकासखंड के ग्राम सोनसायटोला के पंजीकृत श्रमिक स्व. श्री शम्भू राम के मृत्यु उपरांत यह राशि उनके उत्तराधिकारी फिरंतिन बाई को उनके खाते में हस्तांतरित की गयी। योजना अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिक की सामान्य मृत्यु पर 1 लाख रूपए, कार्यस्थल पर दुर्घटना से मृत्यु होने पर 5 लाख रूपए कार्यस्थल पर दुर्घटना से स्थायी दिव्यंगता होने पर 2 लाख 50 हजार रूपए एवं अपंजीकृत निर्माण श्रमिक की कार्यस्थल पर दुर्घटना से मृत्यु होने पर 1 लाख रूपए की अनुदान राशि प्रदान किया जाता है। योजना अंतर्गत निर्माण श्रमिक का हिताधिकारी के रूप में भवन और अन्य सन्निर्माण कमकार न्यूनतम 90 दिवस पूर्व का पंजीयन होना अनिवार्य है। आवेदन के

स्वीकृति उपरांत योजना की राशि डीबीटी के माध्यम से नामिनी, वैध उत्तराधिकारी के खाते में स्थानांतरित की जाती है। इस योजना का लाभ लेने हेतु योजना के तहत ऑनलाईन आवेदन करते समय पंजीयन प्रमाण पत्र की स्कैन कॉपी, आधार कार्ड की प्रति, बैंक पासबुक, पंजीकृत श्रमिक एवं नामिनी का आधार कार्ड एवं पूर्ण स्थायी पता के संबंध में प्रमाण पत्र, मोबाईल नंबर, मृत्यु प्रमाण पत्र तथा स्थायी दिव्यांगता होने पर डॉक्टर द्वारा जारी स्थायी दिव्यांगता प्रमाण पत्र इत्यादि मंडल द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशानुसार अपलोड करना अनिवार्य होगा। विभाग द्वारा श्रमिकों को विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाने पंचायत स्तर पर पंजीयन एवं नवीनीकरण का कार्य सतत रूप से शिविरों के माध्यम से किया जा रहा है, इसका उद्देश्य श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करते हुए उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना है।

योग से सशक्त होगा युवा वर्ग, शिक्षा के साथ स्वास्थ्य भी आवश्यक : रूपनारायण सिन्हा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

योग भारत की प्राचीन एवं वैज्ञानिक परंपरा है, जिसे हमारे ऋषि-मुनियों ने गहन शोध एवं अनुभव के आधार पर विकसित किया है। जीव-जंतुओं और वनस्पतियों के स्वाभाविक व्यवहार का अध्ययन कर विभिन्न योग आसनों की रचना की गई, जो आज भी मानव जीवन को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। यह बात छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष श्री रूपनारायण सिन्हा ने कही। वे श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर में आयोग एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण एवं योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

अध्यक्ष श्री सिन्हा ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ नियमित योगाभ्यास अपनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि आज के युवाओं के लिए मानसिक संतुलन, एकाग्रता एवं सकारात्मक सोच अत्यंत आवश्यक है, जिसे योग के माध्यम से सहज रूप में प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने राष्ट्रसेवा एवं राष्ट्रप्रेम को जीवन का सर्वोच्च आदर्श बताते हुए भावी शिक्षकों से स्वस्थ, अनुशासित एवं संस्कारित समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ, शाल एवं पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात भारतीय परंपरा के अनुरूप मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

उक्त सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र संकाय अंतर्गत संचालित बी.एड. तृतीय सेमेस्टर में अध्ययनरत 289 विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य भावी शिक्षकों को योग की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान कर उन्हें विद्यालय स्तर पर योग शिक्षण हेतु सक्षम बनाना है।

इस अवसर पर आर्य समाज बैजनाथपारा रायपुर के प्राचार्य योगीराज साहू, प्रति-कुलाधिपति प्रो. शुभाशीष भट्टाचार्य, कुलसचिव डॉ. कमल कुमार प्रधान, लेखा अधिकारी गौरव देवांगन, परिवीक्षा अधिकारी रविकांत कुंभकार, अधिष्ठाता शिक्षा संकाय प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव, डॉ. ज्योति साहू सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

खास खबर

लेप्रोस्कॉपिक सर्जन की पदस्थापना से जिला अस्पताल की बढ़ी क्षमता

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

जिला अस्पताल बलौदा बाजार में नए जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ क़ादिर बेग की पदस्थापना से अस्पताल की क्षमताओं में इजाफा हुआ है । अस्पताल में अब हनिर्या, हाइड्रोसिल, बवासीर, फिमोसिस, सेलुलाइटिसब्रेस्ट एबिस, फाइब्रोडेमा, लिम्फोमा, सिबेशियस सिस्ट जैसी गंभीर बीमारियों का सफलतापूर्वक उपचार किया जा रहा है ।

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी के अनुसार उक्त ऑपरेशन निःशुल्क किये जा रहे हैं साथ ही आवश्यकता पड़ने पर आयुष्मान कार्ड का भी उपयोग किया जाता है । भर्ती मरीज को भोजन नाश्ता भी दिया जाता है। सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि, उक्त ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थित अनुसार कुछ दिन भर्ती किया जाता है बाद में छुट्टी हो जाती है। सर्जन की पदस्थापना से अब तक 16 ऐसे ऑपरेशन किये जा चुके हैं।

सेलुलाइटिस का उपचार करा चुके भाटापारा निवासी 45 वर्षीय अनिता के परिजनों ने बताया कि, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल रिफर किया गया था ।उसके बाद वहां ऑपरेशन किया गया ।इसमें आयुष्मान कार्ड का लाभ मिला। एक हफ्ते भर्ती रहे उसके बाद छुट्टी हो गई। अभी स्थिति ठीक हैं ।

केन्द्रीय पर्यवेक्षकों ने पशुधन योजनाओं का लिया फीडबैक

दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिले पहुंचकर योजनाओं का किया निरीक्षण, पशुपालकों से की चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारत सरकार द्वारा नियुक्त केन्द्रीय पयर्वेक्षकों का दल 9 से 14 फरवरी तक छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहा। इस दौरान वे पशुधन विकास विभाग के केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं की छत्तीसगढ़ प्रगति की जानकारी ली केंद्रीय पयर्वेक्षकों को दल दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले का दौरा कर योजनाओं के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया और पशुपालकों से चर्चा की। केंद्रीय पयर्वेक्षकों के दल ने छत्तीसगढ़ में पशुधन विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की सराहना की।

प्रदेश में पशुधन योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन कि सराहना की

केंद्रीय दल प्रवास के प्रथम चरण में संचालनालय स्तर पर आयोजित ब्रीफिंग सत्र में कृषि उत्पादन आयुक्त एवं प्रमुख सचिव तथा भारत सरकार के नोडल अधिकारियों द्वारा योजनाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। इसके पश्चात दल ने ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर प्रशिक्षण गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं पशु प्रजनन प्रक्षेत्रों का अवलोकन किया। बालोद जिले के गुण्डरदेही एवं डौंडी विकासखंड में बिहान योजना से जुड़ी पशु सखियों से कार्यप्रणाली की जानकारी ली गई।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित बकरी पालन इकाइयों, हैचरी यूनिटों तथा दुग्ध संकलन केंद्रों का निरीक्षण कर पशुपालकों से संवाद किया गया। दुर्ग स्थित दुग्ध संघ संयंत्र में दुग्ध प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। साथ ही पशु चिकित्सालयों एवं मोबाइल वेटेरिनरी इकाइयों में उपलब्ध दवाइयों व उपकरणों की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रवास के दौरान बालोद जिले में आयोजित जिला स्तरीय पशु मेले में भी दल ने सहभागिता की।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन अंतर्गत टीम ने पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा, दुर्ग का भ्रमण किया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही मैत्री एवं एवीएफओ रिफ्रेशर ट्रेनिंग संस्थान तथा शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र स्थित ई.टी.टी.-आई.वी.एफ. प्रयोगशाला का निरीक्षण किया गया। जिला बालोद के विकासखंड गुण्डरदेही एवं डौंडी में बिहान अंतर्गत कार्यरत 35 पशु सखियों से संवाद कर उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली गई।

नेशनल लाइवस्टॉक मिशन अंतर्गत ग्राम भरदा (दुर्ग) में श्री देवनाथ देशमुख, नवागांव (बेमेतरा) में श्रीमती मनीषा राजपूत तथा बालोद जिले के ग्राम गब्दी एवं बरही में संचालित बकरी इकाइयों की कार्यप्रणाली की जानकारी ली गई। इसके अलावा बेमेतरा जिले के ग्राम खर्रा एवं सुरहोली स्थित स्काईलार्क हैचरी तथा बालोद जिले की एबीस हैचरी यूनिट का भी निरीक्षण किया गया।

नेशनल प्रोग्राम फॉर डेयरी डेवलपमेंट अंतर्गत टीम ने उरला (दुर्ग) स्थित छत्तीसगढ़ सहकारी दुग्ध महासंघ प्लांट का भ्रमण कर दुग्ध प्रसंस्करण, पैकेजिंग, घी एवं मक्खन निर्माण इकाई का अवलोकन कर जानकारी ली। बालोद जिले के अर्जुंदा तथा बेमेतरा जिले के सरदा एवं मौली भाठा स्थित दुग्ध संकलन केंद्रों का निरीक्षण कर पशुपालकों से चर्चा की गई।

इसी तरह लाइवस्टॉक हेल्थ एवं डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के तहत बेमेतरा जिले में कोल्ड केबिनेट एवं शीत श्रृंखला उपकरणों का निरीक्षण किया। पशु चिकित्सालयों एवं मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट में उपलब्ध दवाईयों, टीकाकरण सामग्री एवं उपकरणों की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। ग्राम बोहारडीह (बेमेतरा) के उन्नत पशुपालक श्री मानसिंह वर्मा के डेयरी फार्म का भी अवलोकन किया गया। दौरे के दौरान जिला बालोद के ग्राम भेंगारी में आयोजित जिला स्तरीय पशु मेला में केन्द्रीय पयर्वेक्षकों की टीम शामिल हुई। टीम ने पशुपालकों से सीधे संवाद कर योजनाओं से मिल रहे लाभ एवं पशुपालन गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

सदस्यता रसीद विवाद पर FIR की मांग असत्य बयान से प्रतिष्ठा क्षति का आरोप

विवाद

राखी थाना प्रभारी ने सत्य उजागर क्यों नहीं किया

मामला बहुचर्चित श्री देव आनन्द जैन शिक्षण संघ का

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-नवा रायपुर

राजनांदगांव के श्री देव आनन्द जैन शिक्षण संघ में सदस्यता रसीद से जुड़े एक पुराने विवाद ने अब नया मोड़ ले लिया है। मुक्त नगर, दुर्ग निवासी अरविंद सुराना ने राखी थाना, नवा रायपुर में आवेदन प्रस्तुत कर आरोप लगाया है कि उनके थाना में प्रवीण जी श्री श्रीमाल के आवेदन पत्र प्रथम सूचना रिपोर्ट में मेरे पक्ष में जारी सदस्यता रसीद प्रस्तुत को लेकर रसीद बनाने वाले दिलीप देशलहरा ने असत्य एवं भ्रामक बयान दिया गया, जिससे उनकी सामाजिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठा को क्षति पहुँची।

आवेदन के अनुसार, मामला श्री देव आनन्द जैन शिक्षण संघ, राजनांदगांव से संबंधित सदस्यता रसीद नंबर 137 (बुक नंबर 100) के दिनांक को लेकर है। सुराना का आरोप है कि शिकायत से जुड़े प्रकरण में दिलीप देशलहरा द्वारा पुलिस के समक्ष दिए गए बयान में यह कहा गया कि रसीद भूलवश बिना दिनांक जारी की गई थी तथा उस पर अंकित दिनांक बाद में प्रार्थी द्वारा जोड़ा गया। सुराना ने इसे असत्य बताते हुए दावा किया कि रसीद उन्हें विधिवत एवं दिनांक सहित प्रदान की गई थी, जिसकी फोटो प्रति उन्होंने साक्ष्य के रूप में संलग्न की है।

सुराना ने बताया कि उन्हें संबंधित बयान/अभिलेख की जानकारी फळक के माध्यम से प्राप्त हुई। उनका कहना है कि कथित भ्रामक बयान के कारण उनके विरुद्ध अनुचित संदेह उत्पन्न हुआ और प्रतिष्ठा प्रभावित हुई। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि जांच के दौरान वास्तविक तथ्यों की समुचित पड़ताल नहीं की गई, तथा मेरे बयान भी नहीं लेकर जानबूझकर सत्य को दबाने का प्रयास में शामिल हो गये। और फेना 224/2023 जारी कर दिया था।

प्रार्थी ने राखी थाना से संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध त्रक्षक्र दर्ज कर विधि अनुसार कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, उन्होंने इस विषय में पुलिस मुख्यालय, रायपुर स्थित उच्च अधिकारियों एवं पंजीयक, फर्म्स एवं संस्थाएं, छत्तीसगढ़ को भी प्रतिलिपि/ईमेल भेजे जाने की जानकारी दी है। इस प्रकरण पर आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आवेदन एवं संलग्न दस्तावेजों की जांच उपरांत विधि सम्मत निर्णय लिया जाएगा।

केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा 11 जिलों की संशोधित गाइडलाइन दरें अनुमोदित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में 20 नवम्बर 2025 से लागू नवीन गाइडलाइन दरों के संबंध में राज्य शासन द्वारा जिला मूल्यांकन समितियों को आवश्यकतानुसार पुनरीक्षण प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में विभिन्न जिलों से प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करते हुए केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा 11 जिलों की संशोधित गाइडलाइन दरों को अनुमोदन प्रदान किया गया है।

राज्य शासन के निर्देशों के अनुरूप राजनांदगांव, बस्तर, कबीरधाम, जशपुर, मुंगेली, कांकेर, कोण्डागांव, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी तथा मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिलों की जिला मूल्यांकन समितियों से संशोधित प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इन प्रस्तावों पर विचार हेतु महानिरीक्षक पंजीयन की अध्यक्षता में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिलों से प्राप्त गाइडलाइन दरों का परीक्षण कर व्यापक विचार-विमर्श के उपरांत प्रस्तावों को अनुमोदित किया गया।

केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा अनुमोदित नवीन गाइडलाइन दरें उपरोक्त सभी 11 जिलों में दिनांक 18 फरवरी से प्रभावशील होंगी। इससे भूमि एवं संपत्ति पंजीयन प्रक्रिया में पारदर्शिता, वास्तविक बाजार मूल्यों के अनुरूप मूल्यांकन तथा नागरिकों को सुविधा सुनिश्चित होगी। आम नागरिक एवं संबंधित हितधारक नवीन गाइडलाइन दरों की जानकारी संबंधित जिला पंजीयन कार्यालयों तथा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। अन्य जिलों की संशोधित गाइडलाइन दरें भी जिला मूल्यांकन समितियों से प्रस्ताव प्राप्त होने के पश्चात शीघ्र जारी की जाएंगी।

उच्च शिक्षण संस्थानों को उभरते अवसरों के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा-मंत्री वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा और कौशल विकास के भविष्य पर केंद्रित फ्लैगशिप कार्यक्रम शिक्षा संवाद 2026 का आज रायपुर के कोटर्याड मैरियट में भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने किया। इस आयोजन का संचालन उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किया गया, जिसमें एलिट्स टेक्नोमीडिया सहयोगी संस्था के रूप में जुड़ा रहा। विकसित छत्तीसगढ़ के लिए शिक्षा, कौशल और रोजगार का सेतु थीम पर आधारित उद्घाटन सत्र में उच्च शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने, उद्योग की जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रमों के समायोजन और क्षेत्रीय विकास प्राथमिकताओं पर विशेष चर्चा हुई।

उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा राज्य की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को उभरते अवसरों के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा। मंत्री ने संस्थागत क्षमता सुदृढ़ करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और पाठ्यक्रमों को उद्योग की मांग के अनुरूप ढालने पर बल दिया। साथ ही विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों और उद्योग जगत के बीच संरचित समन्वय की आवश्यकता बताई, ताकि विद्यार्थियों को व्यावहारिक दक्षता और रोजगारपरक कौशल प्राप्त हो सके। डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म और नीतिगत सुधारों को भी गुणवत्ता सुधार का अहम माध्यम बताया गया।

'शिक्षा संवाद 2026' का भव्य शुभारंभ

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने शासन के शिक्षा सुधारों, संस्थागत सशक्तीकरण और नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि नीति के समुचित कार्यान्वयन, डिजिटल एकीकरण और परिणाम आधारित दृष्टिकोण से राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर एलिट्स टेक्नोमीडिया के सीईओ एवं एडिटर-इन-चीफ डॉ. रवि गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए नीति, अकादमिक और उद्योग जगत के बीच सतत संवाद मंच की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वहीं, उच्च शिक्षा आयुक्त डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने आगे बढ़कर ठोस कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया, जिससे शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास का समेकित मॉडल विकसित हो सके।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन और स्वयं प्लस - आईआईटी मद्रास के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर रहा। इस समझौते के तहत उच्च गुणवत्ता वाले ऑनलाइन और ब्लेंडेड कोर्स, उद्योग-प्रासंगिक प्रमाणपत्र तथा क्रेडिट-लिंक्ड कार्यक्रमों का विस्तार किया जाएगा। इससे राज्य के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के अंतर्गत क्रेडिट ट्रांसफर को बढ़ावा मिलेगा तथा विद्यार्थियों को उन्नत कौशल आधारित मॉड्यूल्स का लाभ मिलेगा।

इसके अतिरिक्त, उच्च शिक्षा विभाग ने मलेशिया के लिंकन यूनिवर्सिटी कॉलेज के साथ भी एमओयू किया। इस सहयोग का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक साझेदारी, छात्र एवं संकाय विनिमय, संयुक्त शोध पहल और वैश्विक एक्सपोजर को बढ़ावा देना है। शिक्षा संवाद 2026 में दिनभर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन, प्रशासनिक सुधार, डिजिटल नवाचार, उद्योग-अकादमिक सहयोग, शोध और उद्यमिता जैसे विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे। शिक्षा संवाद 2026 ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि शिक्षा, कौशल और रोजगार के बीच मजबूत सेतु बनाकर ही विकसित छत्तीसगढ़ का लक्ष्य साकार किया जा सकता है।

विधायक भावना के साथ सैकड़ों भक्तों ने किया शिवलिंग का रुद्राभिषेक

ग्राम कामठी भगवान भोलेनाथ जी के जयकारे से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा, महाप्रसादी का भी किया आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

महाशिवरात्रि पर पंडरिया विधानसभा अंतर्गत ग्राम कामठी में शिवभक्ति की अनूठी झलक देखने को मिली। उत्साह और उमंग के साथ 700 से अधिक विवाहित जोड़ों और श्रद्धालुओं पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा आयोजित 151 पार्थिव शिवलिंग का रुद्राभिषेक किया। भावना बोहरा ने सभी श्रद्धालुओं और पंडरिया विधानसभा वासियों को आयोजन को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त कर महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। इस भव्य आयोजन में हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी तथा ग्राम नेऊर और दमगढ़ के उन आदिवासी परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे जिन्होंने विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से अपने मूल धर्म में घर वापसी की थी।

इस दौरान 10,000 भक्तों के लिए भंडारा एवं महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया जिसमें विधायक भावना बोहरा ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के भजन गायक अनुराग शर्मा द्वारा भजन की भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन में भगवान भोलेनाथ जी के जयकारे से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा ।भावना बोहरा ने कहा कि आज का यह आयोजन हमारी धार्मिक संस्कृति और परंपरा का एक प्रतीक है। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से एक साथ भगवान भोलेनाथ जी का रुद्राभिषेक कर छत्तीसगढ़ एवं पंडरिया विधानसभा की सुख-समृद्धि और जन कल्याण की कामना की। पंडरिया विधानसभा सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक समरसता की समृद्ध परंपराओं के लिए जानी जाती है।

यहां के जन-जीवन में सनातन मूल्यों की गहरी आस्था है। यह हम सभी का दायित्व है कि हम अपनी संस्कृति और आस्था की इस अमूल्य धरोहर को सहेजें और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाएँ। यह आयोजन क्षेत्र की धार्मिक चेतना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता को भी सशक्त करेगा। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण रहा, बल्कि क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए एक सकारात्मक संकल्प का प्रतीक भी बना। इस आयोजन ने समाज के सभी वर्गों युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और ग्रामीण नागरिकों को एक मंच पर एकत्रित कर सामाजिक एकता और सामूहिक चेतना को मजबूत किया।

भावना बोहरा ने आगे कहा कि इस अवसर पर क्षेत्र के विकास, जनकल्याण और समृद्धि के लिए प्रार्थना भी की गई, जिससे यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित न रहकर जनहित और क्षेत्र की प्रगति का संकल्प भी बन गया, जिसने समृद्ध पंडरिया बनाने के हमारे संकल्प को एक नई उर्जा और दिशा भी दी है। भगवान शिव सृष्टि के कल्याणकर्ता हैं। आज 151 शिवलिंगों में सामूहिक रुद्राभिषेक का यह आयोजन हमारे क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए समर्पित है। हमारी सदैव यह भावना रही है कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र आध्यात्मिक रूप से समृद्ध, सामाजिक रूप से सशक्त और विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर रहे।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं और सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, नैतिक मूल्यों और जनकल्याण की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। मैं पंडरिया विधानसभा की समस्त जनता और इस पुण्य आयोजन में सहभागी सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता और धन्यवाद व्यक्त करती हूँ और आश्वस्त करती हूँ कि आगे भी पंडरिया विधानसभा की प्रगति, जनता की सेवा हेतु अपने दायित्वों का निर्वहन एवं सनातन संस्कृति के प्रसार व नव चेतना के लिए हम निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

संस्कार पाठशाला की संस्कार शिक्षिका हेमल अमित सोनी का किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

समाज सेवा, मानव कल्याण एवं जनहित के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं निस्वार्थ योगदान के लिए सर्वत्र शिक्षा समिति द्वारा संचालित संस्कार पाठशाला की संस्कार शिक्षिका श्रीमती हेमल अमित सोनी को तपस्या संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर दिया गया।

श्रीमती हेमल अमित सोनी विगत समय से शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत आर्थिक रूप से कमजोर एवं प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों को अनुशासन, संस्कार, भारतीय संस्कृति एवं वेद मंत्रों का ज्ञान प्रदान कर रही हैं। साथ ही वे बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी विकसित कर रही हैं। उनके इस सतत एवं प्रेरणादायी प्रयास की समाज में व्यापक सराहना हो रही है। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत श्रीमती हेमल अमित सोनी ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता को देते हुए कहा कि उनके संस्कार एवं मार्गदर्शन ही उनकी प्रेरणा का मुख्य स्त्रोत हैं। संस्कार पाठशाला परिवार एवं सर्वत्र शिक्षा समिति ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

स्क्रिप्ट पर भरोसा अब भी बरकरार, सोशल मीडिया से फर्क नहीं पड़ता

एक्टर बरुण सोबती की वेब सीरीज 'कोहरा' का दूसरा सीजन 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। इस बीच उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में बदलाव बहुत आए हैं, लेकिन अच्छी स्क्रिप्ट की ताकत पर उनका विश्वास बरकरार है। सोशल मीडिया और डिजिटल दौर में भी वे काम की क्वालिटी पर फोकस करते हैं। बरुण ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'दुनिया बहुत बदल गई है और सोशल मीडिया का जमाना है, लेकिन मेरा नजरिया वही है। मैं शुरू से स्क्रिप्ट पर भरोसा करता था और आज भी करता हूं। पहले अच्छी स्क्रिप्ट्स कम मिलती थीं, लेकिन अब समय आ गया है कि वे मुझे मिल रही हैं। इसलिए सोशल मीडिया पर क्या हो रहा है, इससे मुझे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता।' प्रासंगिक बने रहने के बारे में बरुण ने खुद की जागरूकता और पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'प्रासंगिक रहने के लिए आपको अपनी काबिलियत का इस्तेमाल जिंदगी भर करना होगा। खुद की तुलना दूसरों से नहीं करनी चाहिए। बल्कि यह समझना जरूरी है कि आप कहां सबसे अच्छे फिट होते हैं और आपका टैलेंट कहां सबसे बेहतर इस्तेमाल हो सकता है। अगर यह नहीं पता तो किसी भी काम का मतलब नहीं।' नेटफ्लिक्स पर 11 फरवरी से स्ट्रीम हो रहे इस नए चैप्टर में बरुण तेज-तर्रार इन्वेस्टिगेटर 'अमरपाल गरुंडी' का रोल दोबारा निभा रहे हैं। इस बार वह मोना सिंह के किरदार वाली नई ऑफिसर के साथ मिलकर महिला से जुड़ी डार्क मर्डर मिस्ट्री सुलझाते नजर आएंगे। सीरीज में रणविजय सिंह भी शामिल हैं। कोहरा एक क्राइम थ्रिलर पुलिस प्रोसिजरल सीरीज है, जो पंजाब के सर्द इलाकों में सेट है। यहां खामोशी अक्सर बातचीत से ज्यादा बोलती है। सीरीज को सुदीप शर्मा, गुंजित चोपड़ा और डिग्गी सिसोदिया ने क्रिएट और लिखा है। सीरीज के पहले सीजन में सुरविंदर विक्की, हरलीन सेठी, सौरव खुराना, रेचल शैली और मनीष चौधरी जैसे कलाकार लीड रोल में थे। वहीं, सीजन 2 में नया केस, नई जोड़ी और क्रिएटिव बदलाव हैं। यह एक्ट थ्री और फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शन के बैनर तले बनाई गई है, जिसे सौरभ मल्होत्रा, सुदीप शर्मा, मनुज मित्रा और टीना थारवानी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। रणदीप झा ने डायरेक्शन संभाला है।

बिग बॉस 19 फेम तान्या मित्तल ने ऐसा क्यों कहा आलिया भट्ट नहीं बनना...

तान्या मित्तल सोशल मीडिया पर और बिग बॉस 19 में अपने बड़बोलेपन को लेकर चर्चा में रही हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने करियर को लेकर बातें साझा कीं। साथ ही किसी भी एक्ट्रेस को फॉलो ना करने की बात भी कही। तान्या मित्तल की इस बात पर यूजर्स ने भी रिएक्शन दिए हैं।

पहली तान्या मित्तल बनने का ख्वाब देखा

फरीदून शहरयार के यूट्यूब चैनल पर तान्या मित्तल ने एक इंटरव्यू दिया। जिसमें वह कहती हैं, 'जब मैं बिग बॉस 19 से बाहर आई तो लोग सवाल करते थे कि आलिया भट्ट, करीना कपूर में से किसके जैसा बनना चाहोगी। तो मेरा जवाब होता था कि मैं किसी की जैसी नहीं बनना चाहूंगी। मैं पहली तान्या मित्तल बनना चाहूंगी।' तान्या के इस बयान पर कई यूजर्स ने उन्हें सपोर्ट किया। एक यूजर ने लिखा, 'तान्या क्वीन है।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'आप सबसे अच्छी है। हेटर्स को पता नहीं है कि उन सब की हेट से तान्या का फैनबेस और स्ट्रॉन्ग हो रहा है।' इसी तरह एक फैन ने कमेंट किया, 'आपको कोई और बनने की जरूरत नहीं है जैसा आपने कहा तान्या मित्तल बनो, हम आपको वैसे ही प्यार करते हैं, जैसी आप हैं।'

तान्या को मिला एकता कपूर से ऑफर

तान्या के करियर फ्रंट की बात करें तो बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। ब्रांन्ड प्रमोशन कर रही हैं। वहीं रियलिटी शो बिग बॉस 19 में प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी तान्या को एक प्रोजेक्ट ऑफर किया था। जल्द ही वह उस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं।

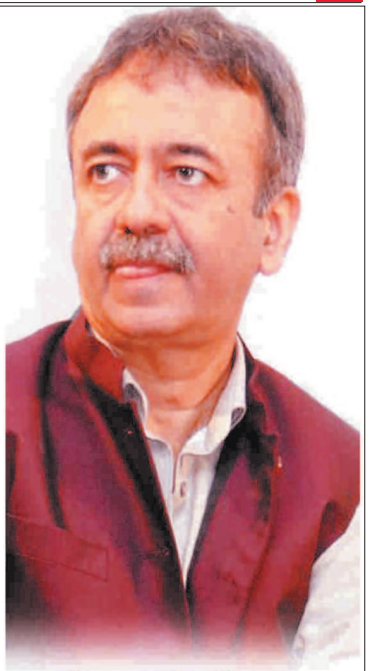

3 इडियट्स के सीक्वल पर राजकुमार हिरानी ने कही ये बात; 'मुन्नाभाई 3' पर दी अपडेट

दिग्गज निर्माता-निर्देशक राजकुमार हिरानी की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कई दिनों से ऐसी चर्चाएं चल रही हैं कि राजकुमार हिरानी अपनी कल्ट फिल्म '3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर फैंस निर्देशक की एक और हिट फ्रेंचाइज 'मुन्नाभाई' की भी तीसरी किश्त का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच अब खुद राजकुमार हिरानी ने इन दोनों ही फिल्मों के बारे में अपडेट दिया है। जानिए क्या सच में '3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम कर रहे राजू हिरानी?

'मुन्नाभाई' के तीसरे पार्ट का नहीं मिल रहा सही क्लाईमैक्स

वैरायटी इंडिया के साथ बातचीत के दौरान राजकुमार हिरानी ने '3 इडियट्स' के सीक्वल और 'मुन्नाभाई' के तीसरे पार्ट को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन दोनों ही फिल्मों पर काम चल रहा है। निर्देशक ने कहा कि मेरे पास इस समय दो आइडिया हैं। मैं वास्तव में दोनों फिल्मों पर काम कर रहा हूं। मैं 'मुन्ना भाई' की स्क्रिप्ट पर काम कर रहा हूं और साथ ही '3 इडियट्स' के सीक्वल के विचार पर भी। 'मुन्ना भाई' के लिए मेरे पास एक आइडिया था, जिसे बड़े पैमाने पर दिखाया गया है। लेकिन फिर भी मुझे इसका सही क्लाईमैक्स नहीं मिला है।

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर चल रहा काम

वहीं '3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर राजकुमार हिरानी ने कहा कि इस पर काम चल रहा है। हालांकि, इसका आइडिया अचानक ही आया था। उन्होंने बताया कि '3 इडियट्स' सीक्वल के लिए अभी हाल ही में अचानक बिना किसी कारण के यह विचार आया। मुझे नहीं पता कि यह बात इतनी फैल कैसे गई। क्योंकि यह अभी तक बना नहीं है, लेकिन हमने कहा कि हम इस पर काम करेंगे। और फिर जब भी यह बनेगा। लेकिन किसी तरह एक सुबह, मैंने देखा कि यह खबर फैल चुकी है। फिलहाल तो मेरे पास इस समय तीन-चार स्क्रिप्ट हैं और मुझे जल्द ही यह तय करना होगा कि मुझे किस दिशा में आगे बढ़ना है।

बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं दोनों फिल्में

'3 इडियट्स' साल 2009 में रिलीज हुई बॉलीवुड की एक कल्ट फिल्म है। इसमें आमिर खान, आर माधवन, शरमन जोशी, करीना कपूर खान और बोमन ईरानी प्रमुख भूमिका में हैं। वहीं 'मुन्नाभाई' की शुरुआत साल 2003 में आई फिल्म 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' से हुई थी। इसके बाद 2006 में 'लगे रहो मुन्नाभाई' आई। इसके बाद से ही फिल्म के तीसरे पार्ट को लेकर इंतजार हो रहा है। इन दोनों फिल्मों में संजय दत्त और अरशद वारसी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए हैं।

सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ सकती है आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा'

यशराज फिल्म्स ने अपने स्पाई यूनिवर्स के जरिए 'टाइगर' फ्रेंचाइज 'पठान' और 'वॉर' जैसी कई पुरुष प्रधान फिल्में बनाई और दर्शकों का प्यार हासिल किया है। इस यूनिवर्स का हिस्सा आलिया भट्ट और शरवरी वाघ भी बन गई हैं। उनकी महिला प्रधान स्पाई जासूसी फिल्म 'अल्फा' को 2026 में रिलीज किया जाना तय है। हालिया जानकारी में पता चला है कि निर्माता फिल्म को सिनेमाघरों में उतारने की बजाए सीधे ओटीटी पर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... आलिया स्टारर 'अल्फा' को सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जा सकता है। दरअसल, रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' सिनेमाघरों में बढ़िया प्रदर्शन नहीं कर रही है। इसलिए निर्माता कोई रिस्क नहीं लेना चाहते। हो रही हैं। बता दें कि इस फिल्म में बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। फिल्म में आलिया और शरवरी के साथ बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। यह एक्शन फिल्म होगी।

क्या बॉन्ड गर्ल बनेंगी प्रियंका चोपड़ा?

प्रियंका चोपड़ा की जल्द ही एक हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन कर रही हैं। फैंस उनके एक्शन के कायल हो गए हैं। इसी बीच प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा की है। इसी दौरान उन्होंने 'बॉन्ड' सीरीज की अगली फिल्म को लेकर जिक्र किया। क्या वह सच में इसका हिस्सा हैं। वैरायटी को दिए गए हालिया इंटरव्यू में करियर को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने लंबी बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने 007 बॉन्ड सीरीज की फिल्म को लेकर बड़ा हिंट दिया। वह कहती हैं, 'यह प्रोजेक्ट सच में ग्लोबल हो सकता है। मैं इस बात के लिए उत्साहित हूं कि मेकर्स कौन सा रास्ता चुनते हैं।' यह खबर सुनकर प्रियंका चोपड़ा के फैंस काफी खुश हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'दो दीवाने सहर में' के साथ शुरू किया अपना रोमांटिक हीरो का सफर

सिद्धांत चतुर्वेदी अपने सिनेमाई सफर के एक नए अध्याय में कदम रख रहे हैं, जहां वह पहली बार पूरी तरह से रोमांटिक हीरो की भूमिका निभाते नजर आनेवाले हैं। फिलहाल फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के जरिए वह अपने अब तक के इंटेंस और लेयर्ड किरदारों से अलग, संवेदनशील, आकर्षक और भावनात्मक अंदाज में दिखाई देंगे। कई लोग इसे उनका 'लवर बॉय एरा' भी कह रहे हैं। संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के साथ सिद्धांत एक ऐसे सिनेमा जगत में प्रवेश कर रहे हैं, जहां उन्हें 'भंसाली हीरो' की पहचान मिल रही है। ये वो दुनिया है, जहां प्रेम काव्यात्मक होता है, भावनाएं गहरी होती हैं और कहानी कहने के कई अंदाज होते हैं। ये कहें तो गलत नहीं होगा कि भंसाली से जुड़ा प्रोजेक्ट अपने आप में एक विरासत और भव्यता का प्रतीक माना जाता है, और इस जोन में सिद्धांत का आना उनके करियर के विस्तार और विकास का संकेत देता है। गौरतलब है कि फिल्म में पहली बार उनकी जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है, जो फिल्म की ताजगी को और भी खास बनाती है। फिलहाल दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर शुरुआती झलकियों ने ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है और सिद्धांत को रोमांटिक हीरो के तौर पर स्थापित कर दिया है। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' से भंसाली हीरो के तौर पर सिद्धांत चतुर्वेदी की जगह पूरी तरह से पक्की हो गई है।

पैरेंट्स को लगता था पढ़ाई के डर से एक्ट्रेस बनना चाहती हूं

'लैला मजनू' जैसी जुनूनी प्रेम कहानी वाली फिल्म से अपना एक्टिंग करियर शुरू करने वाली तृप्ति डिमरी इन दिनों एक और इंटेंस लव स्टोरी 'ओ रोमियो' को लेकर सुर्खियों में हैं। तृप्ति इससे पहले गहरे इश्क वाली फिल्म 'धड़क 2' भी कर चुकी हैं, पर असल जिंदगी में वह जुनूनी नहीं, सच्चे प्यार में यकीन करती हैं। तृप्ति का कहना है, 'प्यार को लेकर हर किसी का अलग नजरिया होता है। हर कोई उसे अपने हिसाब से देखता है, लेकिन मैं बस सच्चे प्यार में यकीन करती हूं। जुनूनी- वुनूनी प्यार मुझे समझ में नहीं आता, पर सच्चे प्यार पर मुझे पूरा भरोसा है।'

संघर्ष और सफलता दोनों का अपना मजा

अपने करियर के शुरुआती दौर में तृप्ति ने तीन साल में तीन फिल्में की थीं, जबकि 'एनिमल' की सफलता के बाद उनके पास फिल्मों की झड़ी लगी हुई है। अकेले साल 2024 में वह 'बैड न्यूज', 'विकी विद्या का वो वाला विडियो' और 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं। जबकि आने वाले दिनों में भी वह 'ओ रोमियो' के अलावा, 'स्पिरिट' और 'मां बहन' जैसी बड़ी फिल्मों में दिखेंगी। रिजेक्शन और इंतजार के लंबे दौर के बाद अब हर चौथी-पांचवीं फिल्म का ऑफर मिलने वाली इस सफलता के बारे में तृप्ति कहती हैं, 'मेरे लिए तो यह बहुत खुशी की बात है कि हर चौथी या पांचवीं फिल्म मेरे पास आ रही है। मैं तो चाहती हूं कि हर दूसरी फिल्म मेरे पास आए, क्योंकि मैंने काफी लंबा गैप भी देखा है।'

पैरेंट्स को लगता था, पढ़ाई से बचने के लिए एक्टर बनना चाहती हैं तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी ने जब एक्टिंग में करियर बनाने का तय किया था, तब उनके पैरेंट्स काफी डरे हुए थे। वह उनके फैसले से ज्यादा खुश नहीं थे, लेकिन अब उनकी कामयाबी देखकर वे फूले नहीं समाते। उनकी सोच में आए बदलाव पर तृप्ति कहती हैं, 'निश्चित तौर पर अब वे बहुत खुश हैं और गर्व महसूस करते हैं। हालांकि, शुरुआत में भी उनकी जो सोच थी, जो डर था, उसके लिए मैं उन्हें गलत नहीं मानती, क्योंकि उनके लिए मुंबई एक बिल्कुल नया शहर था। वे किसी को जानते नहीं थे। ऐसे में, अपने बच्चे को यहां भेजना हर माता-पिता के लिए मुश्किल फैसला होता है। फिर, उनको यह भी नहीं पता था कि मुझे एक्टिंग से इतना प्यार है। उन्हें लगता था कि इसको पढ़ाई नहीं करनी है, इसलिए एक्टिंग में जाना चाहती है (हंसती हैं)। लेकिन अब उन्हें बहुत गर्व होता है। कई बार वे मेरे इंटरव्यू चला देते हैं, जिस पर मैं झेंप जाती हूं, मगर वे बहुत ही ज्यादा खुश हैं और मैं खुश हूं कि वे खुश हैं।'

गहरे समंदर में छोड़ देते हैं विशाल सर

फिल्म 'ओ रोमियो' में तृप्ति डिमरी का किरदार काफी इंटेंस और लेयर वाला है। इसकी तैयारी के बारे में वह बताती है, 'इस किरदार को समझने में मुझे विशाल सर (डायरेक्टर विशाल भारद्वाज) से बहुत मदद मिली। हर फिल्म, हर किरदार के साथ हमारी एक जर्नी होती है, जहां उनको समझने के लिए आपको वक्त देना पड़ता है। कम से कम मेरा प्रॉसेस ऐसा है कि मैं जानना चाहती हूं कि वो किरदार कैसे सोचता है? अलग-अलग लोगों के साथ उसका बर्ताव कैसा है? उसके लिए मैंने अतुल मोंगिया सर के साथ काफी वर्कशॉप की। मेरे किरदार अफशां की चुनौतियां, परिस्थितियां आदि समझने की कोशिश की। उससे काफी कुछ सीखने को मिला। अगर मैं वो नहीं करती तो पहले दिन बहुत नर्वस होती। उसके अलावा, विशाल सर के साथ काम करना अपने में एक्टिंग वर्कशॉप है। वह कई बार आपको गहरे समंदर में छोड़ देते हैं। आपको लगेगा कि आपको सीन का सुर पता है पर फिर आपको पता चलेगा कि नहीं, यह तो कुछ अलग है।'

संघर्ष के कारण सफलता की कीमत समझती हैं तृप्ति

तृप्ति आगे कहती हैं, 'मैं काफी पहले से एक्टर बनने की कोशिश कर रही थी, मगर जब मुझे मौका मिला तो अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। हालांकि, मैंने तब भी कभी ऐसा नहीं सोचा कि मैं असफल हूं। मैं तब भी बहुत खुश थी, जब ऑडिशन के लिए जाती थी। उसका अलग मजा था। आज जो चल रहा है, उसका अलग मजा है। सच कहूं तो अगर मैंने वो दिन नहीं देखे होते तो शायद मैं अपने करियर को उतना वैल्यू नहीं करती, जितना आज करती हूं।'

राजनांदगांव को संभाग बनाने पूर्व पार्षद राजेश ने विस अध्यक्ष रमन सिंह से की मुलाकात

पूर्व पार्षद राजेश कुमार चंपू ने बजट में शामिल करने की रखी मांग

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव इंदिरा नगर वार्ड क्रमांक 41 के पूर्व पार्षद एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश कुमार चंपू ने छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात कर राजनांदगांव जिले को संभागीय मुख्यालय बनाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

राजेश कुमार चंपू ने कहा कि राजनांदगांव ऐतिहासिक, भौगोलिक और व्यापारिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण जिला है, इसके बावजूद विकास की रफ्तार अपेक्षित स्तर पर नहीं है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब से शहर में फ्लाईओवर का निर्माण हुआ है, तब से स्थानीय व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। शहर के मुख्य बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही कम हुई है और छोटे व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यदि राजनांदगांव को संभागीय मुख्यालय का दर्जा दिया जाता है, तो यहां प्रशासनिक कार्यालय, विभागीय संस्थान और विभिन्न शासकीय गतिविधियों का विस्तार होगा, जिससे शहर के व्यापार को नई संजीवनी मिलेगी। रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और आसपास के जिलों के लोगों को भी प्रशासनिक सुविधाएं सुलभ होंगी।

राजेश कुमार चंपू ने मांग की कि आगामी बजट में राजनांदगांव को संभाग बनाने की घोषणा की जाए और इसके लिए आवश्यक प्रावधान शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक मांग नहीं, बल्कि जनहित और क्षेत्रीय संतुलित विकास की अनिवार्य आवश्यकता है। उन्होंने चेतावनी भरे स्वर में कहा कि यदि जनभावनाओं की अनदेखी की गई तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। राजनांदगांव की जनता अब अपने हक और अधिकार के लिए एकजुट होकर आवाज बुलंद करने को तैयार है। राजनांदगांव को संभाग बनाने की मांग को लेकर अब शहर में जनसमर्थन तेजी से बढ़ रहा है और विभिन्न सामाजिक, व्यापारी एवं जनप्रतिनिधि संगठनों ने भी इस मांग का समर्थन करना प्रारंभ कर दिया है।

खास खबर

ऑनलाईन आरटीई से नि:शुल्क व अनिवार्य, वर्ष 2026-27 के लिए प्रवेश के लिए समय-सारणी जारी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

लोक शिक्षण संचालनालय, रायपुर द्वारा ऑनलाईन आरटीई के माध्यम से नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 अंतर्गत 2026-27 के लिए प्रवेश के कार्यवाही के संबंध में समय-सारणी जारी की गई। जिसके अनुसार आगामी शिक्षा सत्र 2026-27 का कार्य किया जाना है।

जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी समय-सारणी अनुसार सत्र 2026-27 में दो चरणों कार्य किया जाएगा। पहला चरण में 1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक स्कूल प्रोफाईल अपडेट कार्य किया जाएगा। नोडल प्राचार्य, डीईओ द्वारा सत्यापन (सीट प्रकटीकरण) 1 जनवरी 2026 से 7 फरवरी 2026, छात्र पंजीयन 16 फरवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक, नोडल वेरिफिकेशन 16 फरवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक, लॉटरी एवं आबंटन 13 अप्रैल 2026 से 17 अप्रैल 2026 तक, स्कूल दाखिला 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक, वर्ष 2025-26 की शुल्क प्रतिपूर्ति का सत्यापन कार्य 25 मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जाएगा।

द्वितीय चरण में 8 जून 2026 से 20 जून 2026 तक न्यू स्कूल रजिस्ट्रेशन का कार्य किया जाएगा। नोडल प्राचार्य, डीईओ द्वारा सत्यापन (सीट प्रकटीकरण) 8 जून 2026 से 25 जून 2026 तक, छात्र पंजीयन 1 जुलाई 2026 से 11 जुलाई 2026 तक, नोडल वेरीफिकेशन 1 जुलाई 2026 से 15 जुलाई 2026 तक, लॉटरी एवं आबंटन 27 जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक, स्कूल दाखिला 3 अगस्त 2026 से 17 अगस्त 2026 निर्धारित किया गया है।

कन्या महाविद्यालय में बवाल –प्रभारी प्राचार्य के खिलाफ स्टाफ में रोष व्यक्त

क्षेत्रीय अपर संचालक,उच्च शिक्षा विभाग के पास एकजुट होकर प्राध्यापकों ने सौंपा लिखित शिकायत

प्रभारी प्राचार्य पर चरित्र हनन, अभद्र टिप्पणी और 'फेल' करने की धमकी के गंभीर आरोप

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

शहर के शासकीय कन्या महाविद्यालय में हालात तनावपूर्ण हो गए हैं ओर जिले के किसी शिक्षण संस्थान में पहली मतबा जहां प्रभारी प्राचार्य डॉ. विनीता गौतम के खिलाफ कॉलेज की महिला प्राध्यापकों, कर्मचारियों और दर्जनों छात्राओं ने संयुक्त रूप से मोर्चा खोलते हुए क्षेत्रीय अपर संचालक, उच्च शिक्षा विभाग दुर्ग, कलेक्टर व स्थानीय विधायक को विस्तृत लिखित शिकायत सौंप दी है। शिकायत में मानसिक उत्पीड़न, अभद्र टिप्पणियां, चरित्र हनन, धमकी और शैक्षणिक माहौल बिगाड़ने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

शिकायत पत्र में जिन प्राध्यापकों के नाम उल्लेखित हैं, उनमें श्वेता पावले (सहायक प्राध्यापक) डॉ मेघा तिवारी (अतिथि शिक्षक) सुनीता राउत (सहायक प्राध्यापक), सरस्वती चौहान (सहायक प्राध्यापक), स्वाति चंद्राकर (सहायक प्राध्यापक), विवेक कुमार देवांगन (सहायक प्राध्यापक) एवं टिकेंद्र वर्मा (सहायक प्राध्यापक) प्रकाश दास एवं अन्य कार्यालइन स्टाफ शामिल हैं। सभी ने संयुक्त हस्ताक्षर कर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। गौरतलब है कि नियमित प्राचार्य के स्थानंतरण हो गया है ओर कन्या महाविद्यालय बेमेतरा में नियमित प्राचार्य ने ज्वाइन नही करने के चलते वर्तमान में पद रिक्त रहने पर डॉ विनीता गौतम जो स्वयं सहायक प्राध्यापक है जिसे उच्च शिक्षा आयुक्त कार्यालय द्वारा प्राचार्य का अस्थाई प्रभार सौपा गया है ।

महिला शिक्षकों का आरोप– सम्मान से समझौता नहीं

शिकायत के अनुसार प्रभारी प्राचार्य द्वारा महिला शिक्षकों के शारीरिक बनावट पर अर्मयादित टिप्पणियां की जाती हैं। इतना ही नहीं, महिला प्राध्यापकों का नाम अन्य पुरुष प्राध्यापकों के साथ जोड़कर उनके चरित्र पर टिप्पणी की जाती है, जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा और पेशेवर गरिमा को ठेस पहुंच रही है। शिक्षकों का कहना है कि इस तरह का व्यवहार कार्यस्थल को असुरक्षित और अपमानजनक बना रहा है।

महिला टॉयलेट तक पर रोक का आरोप

महिला कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया है कि उन्हें स्वच्छ महिला टॉयलेट उपयोग करने से रोका गया। इसे उन्होंने बुनियादी अधिकारों का हनन बताया है। कर्मचारियों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में सम्मानपूर्वक कार्य करना कठिन हो गया है।

जबरन शिकायत और दबाव की राजनीति?

शिकायत में यह भी उल्लेख है कि कुछ शिक्षकों पर दबाव बनाकर मनमाफिक शिकायत पत्र लिखवाने की कोशिश की गई। विरोध करने पर प्रताड़ना और अपमान की धमकी दी जाती है। असहमति जताने वालों को निशाना बनाए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

छात्राओं ने भी खोला मोर्चा– ह्वाफेल करने की धमकी

मामले ने तब तूल पकड़ा जब कॉलेज की दर्जनों छात्राओं ने हस्ताक्षरयुक्त आवेदन देकर शिक्षकों का समर्थन किया। छात्राओं का आरोप है कि उन्हें आंतरिक मूल्यांकन में कम अंक देने और फेल करने की धमकी दी जाती है। उन्होंने कहा कि भय और दबाव के माहौल में पढ़ाई करना मुश्किल हो गया है।

शैक्षणिक वातावरण पर सवाल

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि लगातार अपमानजनक व्यवहार और धमकियों से कॉलेज का शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। मानसिक तनाव के बीच पढ़ाई और अध्यापन दोनों बाधित हो रहे हैं। जांच और कार्रवाई की मांग है।

शिक्षकों और छात्राओं ने उच्च शिक्षा विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर कठोर कार्रवाई की मांग की है, ताकि महाविद्यालय में सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण बहाल हो सके। यह मामला अब जिले के शैक्षणिक हलकों में चर्चा का विषय बन चुका है। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग की अगली कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

जन्म–मृत्यु पंजीयन योजना का कार्यान्वयन : जिला स्तरीय अन्तर्विभागीय समन्वय समिति गठित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भारत सरकार के जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969, संशोधित अधिनियम 2023 तथा छत्तीसगढ़ राज्य जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जन्म-मृत्यु पंजीयन योजना के कार्यान्वयन में किसी भी स्तर पर उत्पन्न गतिरोध को दूर करने एवं कार्यान्वयन एजेंसी को मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए राज्य शासन द्वारा जिला स्तरीय अन्तर्विभागीय समन्वय समिति का गठन किया गया है।

समिति में कलेक्टर जितेन्द्र यादव अध्यक्ष है। समिति मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, उप संचालक पंचायत विभाग, उप संचालक जनसंपर्क विभाग, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), स्थानीय रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) नगरीय सदस्य है तथा जिला रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एवं उप संचालक जिला योजना एवं सांख्यिकी सदस्य-सचिव बनाया गया है।

जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 के क्रियान्वयन के संबंध में 31 दिसम्बर 2007 तक ग्रामीण क्षेत्रों में घटित जन्म व मृत्यु की घटनाओं को संबंधित थानों द्वारा जन्म-मृत्यु पंजीयन का कार्य किया जाता था एवं नगरीय निकाय की स्थापना दिवस से जन्म-मृत्यु पंजीयन का कार्य किया जाता है। राज्य शासन द्वारा इस व्यवस्था में परिवर्तन किया गया एवं 1 जनवरी 2008 से ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत द्वारा जन्म-मृत्यु पंजीयन का कार्य किया जा रहा है, जबकि नगरीय क्षेत्रों में अब भी संबंधित नगरीय निकायों द्वारा यह कार्य यथावत जारी है। वर्ष 2014 से जिले के समस्त शासकीय अस्पतालों (सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और उप स्वास्थ्य केन्द्र) में संस्था में हुए जन्म-मृत्यु की घटना का पंजीयन का कार्य किया जा रहा है।

कुरूभाट धाम डोंगरगढ़ में युवराज दास ढिरहेर अध्यक्ष चुने गए

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

गुरु घासीदास रावटी पहाड़ कुरूभाट धाम डोंगरगढ़ में समाज के उत्थान और नई दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से 15 फरवरी को सतनाम भवन, कुरूभाट डोंगरगढ़ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समाज के पदाधिकारियों और अन्य समाजिक सदस्यों द्वारा चुनाव किया गया, जिसमें सर्व सहमति से युवराज दास ढिरहेर को अध्यक्ष के रूप में चुना गया।

बैठक में समाज के संरक्षक, पदाधिकारी और सदस्यगण उपस्थित थे, जिनमें संरक्षक हर्षिता स्वामी बघेल, परस राय, पंचराम चंदेल, अध्यक्ष युवराज दास ढिरहेर, उपाध्यक्ष मधुसूदन खरे, कौषाध्यक्ष राजकुमार मंडले, सचिव कौलाशनाथ बंजारे, सहसचिव जितेंद्र गेण्डरे और गांवकरण कौसर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बैठक के दौरान कुरूभाट के विस्तार पर भी गहन चर्चा की गई और आगामी समय में समाज के विकास के लिए विभिन्न रचनात्मक कार्यों की योजनाओं पर विचार विमर्श हुआ। बैठक में उपस्थित समाज के लोगों ने नई गतिविधियों को जोड़कर काम करने के लिए अपने विचार साझा किए और भविष्य में और भी सक्रिय प्रयासों की योजना बनाई।

नए अध्यक्ष युवराज दास ढिरहेर को बधाई देते हुए, जिला सतनामी सेवा समिति और ब्लॉक अध्यक्ष पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया और एक मजबूत संकल्प के साथ समाज के कार्यों में समर्पण के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई। अब रावटी पहाड़ कुरूभाट धाम डोंगरगढ़ समाज एक नई दिशा में काम करने के लिए तैयार है और हमेशा तत्पर रहेगा। समाज में नए अध्यक्ष के नेतृत्व में एक नई ऊर्जा और उद्देश्य के साथ कार्य किए जाने का संकल्प लिया गया। उक्त जानकारी जिला सतनामी सेवा समिति युवा प्रकोष्ठ राजनांदगांव के जिला अध्यक्ष हरीश सोनवानी ने दी।

ई-ऑफिस, ई-एचआरएमएस व स्पैरो सॉफ्टवेयर विषय पर प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा की उपस्थिति में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा कलेक्टोरेट सभाकक्ष में ई-ऑफिस, ई-एचआरएमएस एवं स्पैरो सॉफ्टवेयर विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री अनिकेत साहू एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर सुश्री पूजा सेनपाल एवं सुश्री मुस्कान जादवानी ने प्रशिक्षण के दौरान ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ऑनलाइन फाइल संचालन, ई-नोटिंग, पत्राचार प्रबंधन, दस्तावेज अपलोडिंग एवं डिजिटल हस्ताक्षर के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही ई-एचआरएमएस पोर्टल पर सेवा पुस्तिका संधारण, अवकाश प्रबंधन एवं कर्मचारी प्रोफाइल अपडेट की प्रक्रिया को बताया गया।

स्पैरो सॉफ्टवेयर अंतर्गत वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन (अपार) भरने एवं अग्रेषित करने की ऑनलाइन प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मास्टर ट्रेनरों द्वारा सॉफ्टवेयर के विभिन्न मॉड्यूल का हैंड्स-ऑन अभ्यास कराया गया तथा उनके प्रश्नों का समाधान किया गया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य शासकीय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं दक्षता सुनिश्चित करना है। उन्होंने ई-ऑफिस, ई-एचआरएमएस एवं स्पैरो सॉफ्टवेयर का नियमित उपयोग सुनिश्चित कर शासन की डिजिटल पहल को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने कहा। प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ध्यान साधना विश्वगुरु स्वामी परमहंस प्रज्ञानानंद महाराज शिविर में क्रियायोगियों का करेंगे मार्गदर्शन

दुर्ग में विशेष ध्यान साधना शिविर 20 से, देशभर से जुटेंगे क्रियायोगी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रज्ञानालय क्रियायोग आश्रम एलआईजी-297 पद्मनाभपुर दुर्ग द्वारा 20 फरवरी से 25 फरवरी तक आयोजित विशेष ध्यान साधना शिविर में देशभर से क्रियायोगी जुटेंगे। यह पांच दिवसीय शिविर आदर्श नगर स्थित चौपड़ा पैलेस में आयोजित किया गया है। शिविर में क्रियायोग के विश्वगुरु स्वामी परमहंस प्रज्ञानानंद महाराज पधारेंगे। उनका तीसरी बार दुर्ग में आगमन हो रहा है। जिसके चलते क्रियायोगियों में उत्साह का माहौल है। गुरुदेव शिविर में क्रियायोगियों को विशेष ध्यान साधना की टेकनिक बताएंगे और प्रतिदिन क्रियायोग भगवद्गीता के प्रवचन के माध्यम से क्रियायोगियों का मार्गदर्शन करेंगे। शिविर में गुरुदेव द्वारा 108 दीक्षार्थियों को दीक्षा दिलाई जाएगी।

यह दीक्षा समारोह संख्या की दृष्टि से छत्तीसगढ़ में पहला बड़ा दीक्षा समारोह है। दुर्ग प्रवास के दौरान गुरुदेव स्वामी परमहंस प्रज्ञानानंद महाराज विद्यार्थियों और एसटीएफ बघेरा के जवानों से सीधे संवाद करेंगे। जहां विद्यार्थियों को वे परीक्षा के दौरान तनाव से दूर रहने के टिप्स देंगे, वहीं जवानों को तनावमुक्ति का समाधान बताएंगे। गुरुदेव राधाकृष्ण मंदिर महेश कॉलोनी पुलगांव और भिलाई स्थित जगन्नाथ मंदिर भी जाएंगे। यहां वे श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करेंगे।

विशेष ध्यान साधना शिविर का शुभारंभ 21 फरवरी को प्रातः 11 बजे स्वामी परमहंस प्रज्ञानानंद महाराज के सानिध्य में प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव करेंगे। इस दौरान अन्य अतिथि व वरिष्ठ क्रियायोगी विशेष रुप से मौजूद रहेंगे। यह बातें क्रियायोग आश्रम पद्मनाभपुर की संचालिका स्वामी धरानंदगिरि ने मंगलवार को मीडिया से चर्चा में कही। इस दौरान आश्रम के अध्यक्ष टीके कुम्भज, सचिव युवराज देशमुख कोषाध्यक्ष दिलीप देशमुख, कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश वर्मा, गजानंद गौतम, गंगाधर ठाकरे, प्रहलाद त्रिवेदी, हरीश हरवानी भी मौजूद रहे। चर्चा में क्रियायोग आश्रम पद्मनाभपुर की संचालिका स्वामी धरानंदगिरि ने बताया कि क्रियायोग जीवआत्मा को परमात्मा से एकाकार कराने का सरल मार्ग है। जिसमें मनुष्य को स्वास्थ्य लाभ के साथ ईश्वर से एकाकार होने का एहसास होता है।

उन्होंने विशेष ध्यान साधना शिविर के संबंध में बताया कि 20 फरवरी को दोपहर 3 बजे जनता मार्केट पद्मनाभपुर से आश्रम तक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। तत्पश्चात सद्गुरु पादुका-पूजन किया जाएगा। 21 फरवरी को सुबह 6 बजे गुरु वंदना, सुबह 10 बजे अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर पांच दिवसीय शिविर का शुभारंभ होगा। इस दिन संध्या 6 से 7 बजे तक गुरुदेव द्वारा क्रियायोग भगवद्गीता पर प्रवचन दिया जाएगा, जिसका जन सामान्य लोगों को श्रवण लाभ प्राप्त होगा। तत्पश्चात गुरुदेव महाप्रभु श्री जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर-06 जाएंगे। यहां वे शाम 7:15 से रात्रि 8 बजे तक प्रवचन देंगे। 22 फरवरी को प्रातः 7.30 से 11 बजे तक गुरुदेव द्वारा 108 नए दीक्षार्थियों को दीक्षा दिलाएंगे। शाम 6 से रात्रि 7 बजे तक क्रियायोग भगवत गीता का प्रवचन तथा शाम 4 बजे से 5:30 बजे तक राधाकृष्ण मंदिर महेश कालोनी में गुरुदेव की अमृतवाणी होगी। 23 फरवरी को प्रातः 9 से 10:30 बजे तक प्रवचन तथा दोपहर 3-4 बजे तक एसटीएफ कालोनी बघेरा में जवानों का मार्गदर्शन करेंगे। शाम 6 से 7 बजे तक गीता प्रवचन होगा। 24 फरवरी को प्रातः 9 से प्रातः 10 बजे तक गुरुदेव द्वारा सत्संग तथा संध्या 6 से संध्या 7 बजे तक प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। 25 फरवरी को प्रातः 6 से प्रातः 7 बजे तक गुरुवंदना एवं निर्देशित ध्यान तथा प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक समापन कार्यक्रम एवं होली उत्सव का आयोजन किया गया है। स्वामी धरानंदगिरि ने बताया कि अमर महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को पुनः प्रस्तुत किया है, जो जीवन और ध्यान की प्राचीन और दिव्य प्रदत्त पद्धति है। क्रियायोग की शिक्षा और तकनीकें क्रिया गुरुओं की एक परंपरा के माध्यम से गुरु से शिष्य तक सीधे हस्तारित होते आ रही हैं। परमहंस हरिहरानंद महाराज ने 2002 में अपना योगिक शरीर त्याग दिया था, उनके वर्तमान में परमहंस प्रज्ञानानंद महाराज उत्तराधिकारी हैं और इस परंपरा के वे प्रमुख हैं।

भाजपा सरकार में परीक्षा देना हुआ महंगा शराब पिलाने व बार खोलना हुआ सस्ता

रायपुर। परीक्षा शुल्क में दोगुना वृद्धि और शराब पिलाने बार खोलने की फीस में छूट दिये जाने पर भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार ने 10 वी 12 वी की परीक्षा शुल्क और पढ़ाई से सम्बंधित अन्य मदों की शुल्क में दोगुनी वृद्धि कर दी। वही शराब पिलाने शराब की खपत बढ़ाने रेस्टोरेंट बार होटल खोलने की फीस में भारी रियायत दी गई।

सरकार का फोकस पढ़ाई पर नही बल्कि ज्यादा शराब पिलाने पर है। दो साल में 10 हजार 463 स्कूल बंद कर दी और 102 नई शराब दुकान खोल दीं। आरटीई के नियम में बदलाव कर गरीब बच्चों से शिक्षा का अधिकार छीन लिया। छात्रवृत्ति के पैसे रोक दिये गये है, आरटीई के तहत निजी स्कूलों में 54 हजार सीट पर भर्ती होती थी वो अब नही होगी मात्र 19 सीटों पर ही भर्ती होगी। भाजपा सरकार का मकसद शराब की काली कमाई से है इन्हें गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले इस पर ध्यान नही है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि शराब बंदी की बात करने वाली भाजपा शराब की खपत बढ़ाने में लगी है। शिक्षा बंदी पर काम कर रही है। पढ़ाई को महंगा कर रही है स्कूलों में सुविधा नही दे रही है औ? शराब की काली कमाई के लालच में भाजपा की सरकार ने पिछले दो वर्षों में आधा दर्जन बार आबकारी नीति में परिवर्तन किया है। पूर्व में संचालित लगभग 700 दुकानों में कंपोजिट व्यवस्था लागू करके अंग्रेजी में देसी और देसी शराब दुकानों में अंग्रेजी शराब भी बेचने का निर्णय लिया अर्थात पुरानी दुकानों की क्षमता दुगनी होकर 400 हो गयी। इस सरकार ने पिछले साल 67 नई शराब दुकानें खोले, जिसका जमकर विरोध हुआ, अब नई नीति में 35 और शराब दुकान खोले जा रहे हैं।

संगीत विश्वविद्यालय में पुरालिपि व पुरालेख अध्ययन विषय पर 7 दिवसीय कायर्शाला का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) लवली शर्मा के संरक्षण में पुरालिपि एवं पुरालेख अध्ययन विषय पर आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार को हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. (डॉ.) लवली शर्मा, कार्यशाला के निर्देशक प्रो. (डॉ.) राजन यादव, विषय विशेषज्ञ डॉ. टी.एस. रविशंकर (भूतपूर्व निदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, मैसूर), प्रभारी कुलसचिव वेंकट रमन गुड़े एवं संयोजक डॉ. आशुतोष चौरे द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अतिथियों के स्वागत पश्चात कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आशुतोष चौरे ने स्वागत भाषण में कायर्शाला के उद्देश्य एवं स्वरूप की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने इराक, मेसोपोटामिया तथा भारत जैसी प्राचीन सभ्यताओं का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए इतिहास और अतीत की समझ को वतर्मान समाज के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि इस कायर्शाला का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को पुरालिपि (प्राचीन अभिलेखों) के माध्यम से ऐतिहासिक ज्ञान से परिचित कराना है, ताकि वे अपनी सांस्कृतिक जड़ों को समझ सकें।। अंत में उन्होंने आयोजन के लिए कुलपति के प्रति विशेष आभार व्यक्त

किया। कुलपति प्रो. (डॉ.) लवली शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुरातात्विक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध प्रदेश है। उन्होंने विद्यार्थियों को विशेषज्ञों के व्याख्यान से लाभान्वित होने और अपनी संस्कृति एवं इतिहास को गहराई से जानने के लिए प्रेरित किया। सिरपुर की अपनी हालिया यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने प्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत पर प्रकाश डाला। विषय विशेषज्ञ डॉ. टी.एस. रविशंकर ने भारत की समृद्ध अभिलेखीय परंपरा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अभिलेखीय साक्षरता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्राचीन अभिलेख हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें संरक्षित करना एवं समझा जाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे विस्मृति के गर्त में न जाए। उन्होंने छत्तीसगढ़ की धरती को अभिलेखीय संपदा से परिपूर्ण बताते हुए इसकी सराहना की। अंत में अधिष्ठाता, कला संकाय एवं कायर्शाला निर्देशक प्रो. (डॉ.) राजन यादव ने कवि रामधारी सिंह ह्यदिनकरह्व एवं सुमित्रानंदन पंत की पंक्तियों का सस्वर पाठ करते हुए प्रेरक उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि इतिहास केवल अतीत की कथा नहीं बल्कि हमारी जड़ों और पहचान का आधार है। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. कौस्तुभ रंजन, सहायक प्राध्यापक द्वारा किया गया। उन्होंने इस कायर्शाला को विद्यार्थियों के लिए ऐतिहासिक धरोहरों को समझने का एक सशक्त मंच बताया। अंत में प्रभारी कुलसचिव वेंकट आर. गुडे ने उपस्थित अतिथियों, विश्वविद्यालय प्रशासन, संकाय सदस्यों, आयोजकों, शिक्षकों एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

खास खबर

विधि महाविद्यालय में आज " आरोहण " की मचेगी धूम

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नांदगांव शिक्षा मंडल द्वारा संचालित पंडित किशोरीलाल शुक्ला विधि महाविद्यालय में कल 18 फरवरी को '"आरोहण " 2026 का शानदार आयोजन किया जाएगा । कानून की शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थी सब कुछ भूलकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां से अपना नाता जोड़ेंगे । उक्त अवसर पर नगर के प्रथम नागरिक महापौर मधुसूदन यादव मुख्य अतिथि की आसंदी पर होंगे । आयोजन में नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं विधि महाविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में सेवाएं दे चुके के सी जैन विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे ।

विधि महाविद्यालय के प्रशासक डॉ. आर एन सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि " आरोहण " के अंतर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी । इसी गरिमामय कार्यक्रम में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान भी किया जाएगा । शिक्षा से लेकर खेल एवं अन्य गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को मेडल मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा प्रदान किए जाएंगे । विधि की परीक्षा में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों सहित अन्य मेधावी विद्यार्थियों को नगर के गणमान्य लोगों की स्मृति में गोल्ड प्लेटेड मेडल दिए जाएंगे । इनमें मुख्य रूप से रामजी लाल खंडेलवाल, बी एन राय, हरिप्रसाद अग्रवाल, छोटेलाल रामशंकर तिवारी, अब्दुल लतीफ, पंडित किशोरीलाल शुक्ला, केदारनाथ डागा, संतन भगवान मिश्र, सुश्री कीर्ति मिश्रा, मदनलाल गोमस्ता, उत्तम चंद लूनिया, धरमचंद श्रीमती पुष्पा देवी, जगतनारायण - विमलेश शुक्ल की स्मृति में पदक प्रदान किए जाएंगे ।

नेवई और मरोदा क्षेत्र में नहीं खुलेगा तीन दिन नल

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के नेवई क्षेत्र स्थित 32 लाख लीटर क्षमता वाले ओवर हेड टैंक का मरम्मत कार्य करने तीन दिनों का शट डाउन लिया जाएगा। शुक्रवार से रविवार तक पेयजल आपूर्ति प्रभावित क्षेत्र में टैंकर के माध्यम से की जाएगी। सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता ने बताया कि मेन डिस्ट्रीब्यूशन लाइन में लिक होने की वजह से शट डाउन लिया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्र में वार्ड 16 बीआरपी कालोनी, वार्ड 17 शिवपारा स्टेशन मरोदा, वार्ड 18 एचएससीएल कालोनी स्टेशन मरोदा, वार्ड 19 विजय चैक स्टेशन मरोदा, वार्ड 20 शंकरपारा स्टेशन मरोदा, वार्ड 21 सूर्या नगर, वार्ड 32 नेवई भाटा, वार्ड 33 नेवई बस्ती पूर्व, वार्ड 34 नेवई बस्ती पश्चिम शामिल है।

सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर में अभिषेक, महाआरती व आतिशबाजी के साथ मनाया मंदिर का विशेष दिन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा दुर्ग में माता जी की विशाल प्रतिमा की प्राणप्रतिष्ठा को 15 फरवरी को दिनाँक अनुसार 16 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष आयोजन आयोजित किया गया। श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा, दुर्ग का दिनाँक अनुसार 16 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 1 दिवस का विशेष आयोजन रखा गया है।

समिति के विजय गुप्ता पिंकी ने बताया कि प्रातः 9 बजे मन्दिर के मुख्य पुजारी सुनील पांडेय द्वारा माता जी का विभिन्न औषधियों एवं सामग्री से महाअभिषेक, हवन, पूजन एवं आरती कराई गयी,जिसमें प्रज्ञा राहुल शर्मा, प्रतिभा सुरेश गुप्ता, इंद्राणी कुलेश्वर साहु मुख्य यजमान थे, माता जी के अभिषेक में यजमान के साथ साथ मंदिर समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे, और अपने हाथों से माता जी का अभिषेक पूजन किये।

इसके साथ साथ संध्या काल में महाशिवरात्रि के अवसर पर सत्ती चौरा में स्थित सत्तीश्वर महादेव अभिषेक अभिषेक पूजन किया गया। संध्या 7 बजे 108 पूजा थाल एवं 108 दीपों से माता जी की महाआरती की गयी, जिसमें सभी उपस्थित धर्मप्रेमियों ने अपने हाथों में आरती की थाल लेकर माता जी की आरती किये। खीचड़ी, हलवा, मिष्ठान, एवं केक का प्रसाद वितरण किया गया। मन्दिर के 16 वे वर्ष होने के अवसर पर आकर्षित आतिशबाजी की गयी एवं मन्दिर परिसर में समिति के सदस्यगण, धर्मप्रेमी एवं उपस्थित जन मधुर भजनों के संग नाचते गाते रहे।

गंजपारा वार्ड की पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता का पार्षद बने 1 वर्ष भी पूर्ण हुआ इस अवसर पर पार्षद द्वारा मंदिर में विशेष पूजा अचर्ना एवं प्रसाद का वितरण किया गया, समिति के सदस्य एवं पार्षद कुलेश्वर साहू का भी कायर्काल 1 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष पूजा अचर्ना की गयी। रात्रि 8 बजे जन समर्पण सेवा संस्था के माध्यम से दुर्ग रेल्वे स्टेशन में समिति के सभी सदस्य उपस्थित होकर 200 गरीब, असहाय, विकलांग एवं जरूरतमंदों को भोजन, मिष्ठान, एवं नमकीन वितरण किया गया।

ज्ञात हो कि आज से 16 वर्ष पूर्व दिनाँक 8 फरवरी से 15 फरवरी 2010 को गंजपारा, दुर्ग में सभी के सहयोग से माँ दुर्गा मंदिर में माता जी की विशाल मूर्ति स्थापित की गयी थी। इस दिनाँक को शुभ मानते हुए प्रतिवर्ष 15 फरवरी को माता जी की मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन किया जाता है। माँ दुर्गा मंदिर का 16 वां वार्षिक उत्सव प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी चैत्र नवरात्र पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जावेगा, जिसकी तैयारी की जा रही है, मंदिर परिसर में चैत्र नवरात्र पर्व के लिए ज्योति कलश की बुकिंग प्रारंभ है।

कार्यक्रम में अशोक राठी, राजेश शर्मा, योगेन्द्र शर्मा बंटी, नरेंद्र शर्मा, घनश्याम पंड्या, मनीष सेन, निर्मल शर्मा, दीपक चावड़ा प्रवीण गर्ग ललित शर्मा गोपाल शर्मा चेतन जैन राजू पुरोहित मनोज गुप्ता सतबीर शर्मा भार्गव चक्रधारी दुर्गा कश्यप मनोज शर्मा विकाश पुरोहित ऋषि साहू सूजल शर्मा प्रकाश सिन्हा तारणी ढीमर अचर्ला शर्मा चंचल शर्मा शशि श्रीवास्तव किरण शर्मा चंदा शर्मा मनोरमा शर्मा आभा शर्मा शोभा गुप्ता पिंकी पुरोहित चंचल ललित शर्मा सुमन शर्मा शिल्पी शर्मा अंबिका पंड्या कुलेश्वरी जायसवाल आशीष मेश्राम मोहित पुरोहित रिषी गुप्ता चिंटू शर्मा प्रशान्त कश्यप सोनल सेन अनमोल पाण्डेय संध्या वर्मा माया गुप्ता सुंदर निषाद धीरज सिन्हा उवर्शी साहू लक्ष्मी यादव आशीष गुप्ता सुंदर गुप्ता सोनल सेन रितेश सेन वाशु शर्मा राकेश चक्रधारी शिवम पंड्या प्रकाश ठाकुर एवं सैकड़ों भक्त सहित समिति के सदस्य उपस्थित हुए।

सुरक्षाबलों को मिली कामयाबी, 22 नक्सलियों ने डाले हथियार, एक महिला भी

नई दृष्टिबिंदु / सुकमा

सुकमा नक्सल मुक्त भारत अभियान के तहत सुरक्षाबलों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सुकमा जिले में 22 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। इसमें एक महिला नक्सली भी शामिल है। इस घटना को नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

आत्मसमर्पण की यह प्रक्रिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित शाह और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस बड़ी सफलता में जिला रिजर्व गार्ड, जिला पुलिस बल, क्षेत्रीय फील्ड टीम, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और कोबरा बटालियन की सराहनीय भूमिका रही। सुरक्षाबलों द्वारा लंबे समय से चलाए जा रहे सघन तलाशी व घेराबंदी अभियानों के कारण नक्सली संगठनों पर लगातार दबाव बना हुआ था।

प्रशासन के अनुसार, सरकार की पुनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति, बेहतर जीवन की संभावनाओं और विकास कार्यों के विस्तार से प्रभावित होकर नक्सलियों ने हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का निर्णय लिया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को नियमानुसार पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्रशासनिक अधिकारियों ने इसे नक्सल मुक्त भारत अभियान की दिशा में एक मजबूत कदम बताया है। उनका कहना है कि आने वाले समय में नक्सलवाद के प्रभाव वाले क्षेत्रों में शांति, विकास और विश्वास का माहौल और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। यह कदम क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र से करोड़ों की निकासी

दुर्ग। राष्ट्रीय पेंशन योजना के खातों में फर्जी मृत्यु का दावा कर करोड़ों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इस फर्जीवाड़ा में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। दअरसल, HDFC बैंक के बोकारो झारखंड के प्रबंधक ने दुर्ग के पाटन थाने में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया था की राष्ट्रीय पेंशन योजना से संबंधित खातों में फर्जी मृत्यु का दावा प्रस्तुत कर लगभग एक करोड़ 19 लाख रुपये की राशि फर्जी तरीके से निकाली ली गई है। इसके बाद जब दुर्ग पुलिस ने जांच शुरू कि तो पता चला कि संबंधित व्यक्ति जीवित पाए गए। यानी कि जीवित व्यक्तियों को कागजों में मृत दर्शाया गया और फिर फर्जी मृत्यु दावा प्रस्तुत कर राशि निकाली गई।

जनदर्शन में गूंजा सब-स्टेशन ऑपरेटरों का वेतन कटौती मामला

विवाद

तीन डिवीजन के लगभग 300 बिजली कर्मियों ने लगाई गुहार, 3 साल 9 माह से कटौती का आरोप

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले के 33/11 केवी उपकेंद्रों में कार्यरत सब-स्टेशन ऑपरेटरों का वेतन कटौती विवाद अब कलेक्टर जनदर्शन तक पहुंच गया है। प्रभावित कर्मियों ने जनदर्शन में उपस्थित होकर लिखित आवेदन के माध्यम से शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि पिछले 3 साल 9 माह से उनके मासिक वेतन में 650 से 1100 रुपये तक की कटौती कर कम भुगतान किया जा रहा है।

कमर्चारियों का कहना है कि वे नियमित रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं, बावजूद इसके वेतन भुगतान में निरंतर अनियमितताएं बनी हुई हैं।

आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया कि ठेकेदार द्वारा 3 माह का बोनस भी अब तक नहीं दिया गया, जिससे कर्मियों में भारी असंतोष व्याप्त है।

जनदर्शन में सौंपे गए आवेदन में कई ऑपरेटरों के नाम दर्ज हैं, जिनमें प्रमुख रूप से नेत्रा दुबे, रेखाराम साहू, भूपेश कुमार, तुलसी दास, मनोज कुमार सहित अन्य कर्मियों ने वेतन विसंगति एवं आर्थिक नुकसान का मुद्दा उठाया। कमर्चारियों ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर वेतन की अंतर राशि एवं लंबित बोनस का भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

कर्मचारियों का आरोप है कि लंबे समय से हो रही कटौती के कारण उनके परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे सामूहिक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। अब निगाहें जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं, जिससे प्रभावित बिजली कर्मियों को राहत मिल सके।

आरोप शैक्षणिक संस्थान द्वारा छात्राओं की व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक करना अत्यंत गैरजिम्मेदाराना कृत्य

दिग्विजय कॉलेज प्राचार्य के लगातार गलत रवैय्या पर उठे सवाल, एबीवीपी ने जलाया प्रिंसिपल सुचित्रा गुप्ता का पुतला

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

दिग्विजय कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य का पुतला फूंका और जमकर प्राचार्य के विरोध में नारेबाजी की।

ज्ञात हो कि महाविद्यालय में जबसे प्राचार्य सुचित्रा गुप्ता ने प्रभार सम्हाला है, तब से महाविद्यालय में व्यवस्था पूरी तरह चरमराया हुआ है। महाविद्यालय के 16 फरवरी को कुछ विद्यार्थियों का मोबाइल मैडम द्वारा जबरदस्ती छीना गया, जिसके विरोध में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने विरोध किया और मोबाइल को वापस विद्यार्थियों को दिलवाया।

तत्पश्चात प्राचार्य द्वारा सभी विद्यार्थियों का मोबाइल तो वापस किया, लेकिन सभी के नाम, मोबाइल नंबर, पिता का नाम व अन्य निजी जानकारी वेबसाइट व सूचना बोर्ड में

चस्पा कर दिया गया, जो निजता के हनन के अंतर्गत आता है, ऐसे विद्यार्थियों से संबंधित जानकारी इस तरह से उजागर करना प्राचार्य की लापरवाही और अपने कार्य के प्रति रुचि न होने को दर्शाता है।

छात्राओं का नेतृत्व करते हुए प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चांदना श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान द्वारा छात्राओं की व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक करना अत्यंत गैरजिम्मेदाराना कृत्य है। यह केवल अनुशासन का विषय नहीं, बल्कि छात्राओं की गरिमा और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है, यदि इस प्रकार की घटनाओं पर तत्काल और सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन प्रदेश स्तर तक आंदोलन को विस्तार देगा।

वहीं जिला संयोजक धनंजय पांडे ने कहा कि एबीवीपी सदैव छात्राओं के अधिकार और सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि छात्राओं की निजता से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होने तक संगठन आंदोलन जारी रखेगा एवं प्रदर्शन और भी उग्र होगा।

नगर मंत्री अक्षत श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि कॉलेज प्रशासन को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि छात्राओं की सुरक्षा और गोपनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही दोबारा सामने आई, तो एबीवीपी और भी व्यापक व उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी। उन्होंने यह भी कहा कि छात्राओं के सम्मान से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा और आवश्यकता पड़ी तो संगठन सड़क से लेकर प्रशासनिक स्तर तक निर्णायक लड़ाई लड़ेगा।

प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही, हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई। इस पूरे घटनाक्रम ने शिक्षा संस्थानों में छात्राओं की निजता और डेटा सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अभिभावकों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से पारदर्शी एवं जिम्मेदार रवैया अपनाने की मांग की है।

प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से प्रदेश कायर्कारिणी सदस्य प्रतीक गढ़वाल, जीत प्रजापति, नगर सह मंत्री भूपेंद्र पाल, जीत शर्मा, वेणुका, कुलदीप पाल, चैतन्या द्विवेदी, राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख युक्ता मांडवी, सह प्रमुख प्रिया, नगर सोशल मीडिया संयोजक यश श्रीवास्तव, सह प्रमुख ओजस ऊईके, मोहित साहू तामेश्वर नायक, गीतेश कुमार, देवेंद्र, धन्नू टंडन, लक्ष्य जैन, जीत पांडे, लुभांशू, शिवम, वेणुका, प्रिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ईसाई धर्म अपनाने जबरन दबाव बनाकर धार्मिक भावनाओं को किया आहत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करते हुए ईसाई धर्म अपनाने हेतु जबरन दबाव बनाकर धार्मिक भावनाएं आहत करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्वाई करते हुए आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। प्रकरण में धारा 298, 299 भारतीय न्याय संहिता (BNS) तथा छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 1968 की धारा 3, 4 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 16 फरवरी को प्राथिर्या सरोज वर्मा (52), निवासी आशीष नगर पश्चिम, रिसाली, भिलाई ने थाना नेवई में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि उसका पुत्र होशांग वर्मा उसे ईसाई धर्म अपनाने के लिए लगातार दबाव बना रहा था। विरोध करने पर आरोपी द्वारा गाली-गलौज, घर में तोड़फोड़ तथा जान से मारने की धमकी दी गई। साथ ही घर में रखी धार्मिक

मूतिर्यों को हटाकर फेंकने और पूजा-पाठ में बाधा उत्पन्न करने की भी पुष्टि हुई। शिकायत के परीक्षण पर प्रथम दृष्टया अपराध पाए जाने से अपराध क्रमांक 085/2026 दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी को 17 फरवरी 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

घटनास्थल मकान क्रमांक 435/6, आशीष नगर पश्चिम, रिसाली भिलाई, थाना नेवई, जिला दुर्ग है। आरोपी होशांग वर्मा, निवासी आशीष नगर पश्चिम, रिसाली भिलाई, जिला दुर्ग है। जप्त सामग्री प्रकरण से संबंधित लिखित दस्तावेज एवं अन्य साक्ष्य सामग्री किया गया।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।